राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 27 जून 2023 वर्ष–6,अंक–153 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में क्या चल रहा है? अमेरिका और मिस्र से लौटते ही पीएम मोदी ने जेपी नड्डा से पूछा

मनोज तिवारी ने कहा, उन्होंने नड्डा जी से पूछा कि यहां कैसा चल रहा है? नड्डा जी ने उन्हें बताया कि पार्टी के नेता उनकी सरकार के 9 वर्षों के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों तक पहुंच रहे हैं और देश खुश है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका और मिस्र की पांच दिवसीय यात्रा के बाद रविवार देर रात स्वदेश लौट आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की स्वदेश वापसी पर हवाई अड्डे के बाहर उनका जोरदार स्वागत किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के अलावा दिल्ली से भाजपा के सभी सांसद इस अवसर पर मौजूद थे। हवाईअड्डे पर उनका स्वागत करने गए पार्टी नेताओं ने बताया कि उतरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जेपी नड्डा और अन्य भाजपा नेताओं से पूछा कि देश में क्या हो रहा है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, उन्होंने नड्डा जी से पूछा कि यहां कैसा चल रहा है? नड्डा जी ने उन्हें बताया कि पार्टी के नेता उनकी सरकार के 9 वर्षों के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों तक पहुंच रहे हैं और देश खुश है। वहीं, भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूछा कि पार्टी का जन संपर्क कार्यक्रम कैसा चल रहा है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें इसके बारे में अवगत कराया।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन के निमंत्रण पर अमेरिका की यात्रा पर थे। अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की और अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इसके बाद वह अमेरिका की राजकीय यात्रा संपन्न कर शनिवार को मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचे थे।

राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर मिस्र की उनकी दो दिवसीय राजकीय

यात्रा 1997 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति अल-सीसी के साथ बातचीत की और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा संबंधों और लोगों से लोगों के बीच संबंधों में सुधार पर ध्यान देने के साथ दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों ने अपने रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया।

राष्ट्रपति अल-सीसी ने मोदी को मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 13वां सर्वोच्च राजकीय सम्मान है।

पीएम मोदी ने 20 जून को अपनी पांच दिवसीय यात्रा शुरू की थी। उन्होंने 21-24 जून तक अमेरिका का दौरा किया। उनकी अमेरिका यात्रा न्यूयॉर्क से शुरू हुई, जहां उन्होंने 21 जून को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का नेतृत्व किया। बाद में, वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति बाइडन द्वारा व्हाइट हाउस में उनका भव्य स्वागत किया गया था।

5 दिनों तक खूब होगी मॉनसून वाली बारिश, बिहार-यूपी में भी बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून ने दस्तक दे दिया है। मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी ताजा रिपोर्ट (26 जून) में कहा है कि गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में अगले दो दिनों के दौरान मॉनसून आगे बढ़ेगा। आईएमडी के मुताबिक, अगले पांच दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान के आसार बन रहे हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने कहा है कि ओडिशा में 26 जून को, असम और मेघालय में 28 र 29 जून को और अरुणाचल प्रदेश में 29 जून को मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि राजस्थान में 26 से लेकर 29 जून तक भारी बारिश की संभावना है। इसी दौरान उत्तराखंड में भी भारी बारिश के आसार हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भी आज बारिश का पूर्वानुमान है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे में मूसलाधार बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना बन रही है। केरल में भी 26 से 29 जून तक बादल बर सकते हैं।

बिहार में कब होगी बारिश?

बिहार में मानसून की बेरुखी के बीच बारिश की छिटपुट गतिविधियां बनी हुई हैं। यही वजह है कि मानसून के आगमन के बाद भी अधिकतर जिलों में बारिश की काफी कमी है। बादलों से अधिकतम तापमान में कमी से लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। पुरवा के बावजूद बादलों के जमकर नहीं बरसने से सबसे ज्यादा किसानों की चिंता बढ़ी है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी कुछ जिलों में छिटपुट बारिश के आसार जताए हैं। राज्य के अधिकांश हिस्से में गर्मी व उमस की स्थिति बनी रहेगी।

आफत की बारिश : केदारनाथ यात्रा रोकी, बदरीनाथ हाईवे बहा; भारी बरसात के बाद 46 सड़कें अवरुद्ध

चमोली । उत्तराखंड में भारी बारिश से आफत हो गई है। बरसात के बाद केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई है। जबकि, बदरीनाथ हाईवे बहने से भी यात्री फंसे थे। बरसात की वजह से उत्तराखंड में 46 सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर भी यात्रियों को परेशानी हुई। उतराखंड मौसम पूर्वनुमान में अलर्ट जारी है। केदारनाथ में भारी बारिश के चलते तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों से सुरक्षित पड़ावों पर रहने की अपील की। साथ ही सोनप्रयाग और गौरीकुंड से भी 11 बजे बाद किसी यात्री को केदारनाथ जाने की अनुमति नहीं दी गई। केदारनाथ हाईवे पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच एक शटल सेवा वाहन के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिरने से चालक की मौत हो गई। पुरोला में आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत हो गई। वहीं,ऋषिकेश में सोमवार तक रॉफ्टिंग पर रोक लगा दी गई है। राज्य में 46 सड़कों के बाधित होने से लोगों को भारी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। केदारनाथ में रविवार को सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही थी। बारिश के चलते गौरीकुंड में गदेरे का पानी नगर के बीचों बीच आ गया।

जबकि केदारनाथ पैदल मार्ग पर छौड़ी गदेरे में भारी मात्रा में पानी आने से यहां काफी समय तक यात्रियों की आवाजाही नहीं हो सकी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि भारी बारिश को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर रविवार सुबह 11 बजे बाद सोनप्रयाग से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। गौरीकुंड से भी यात्रियों को 11 बजे बाद आगे नहीं जाने दिया गया। सभी को मौसम को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित स्थानों पर ही रुकने को कहा गया। बताया कि जैसे ही उत्तराखंड में मौसम खुलेगा तो यात्रियों को आने जाने की अनुमति दे दी जाएगी। तीर्थ यात्रियों से अपील है कि वे सतर्क रहें।

बदरीनाथ हाईवे 30 मीटर बहा, देर रात खुला– रविवार दोपहर बाद भारी बारिश से बदरीनाथ धाम के पास कंचन गंगा के उफान पर आने से बदरीनाथ हाईवे लगभग 30 मीटर तक बह गया। इससे आवाजाही बाधित हो गई थी। बीआरओ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाईवे को रात करीब साढ़े नौ बजे आवाजाही के लिए खोल दिया।

हिमाचल में भारी बारिश का तांडव, 6 की मौत; भूस्खलन और बाढ़ की वजह से हाइवे बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून कहर बनकर बरपा है। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं की वजह से कई जगहों पर सैलाब ही सैलाब दिखाई दे रहा है। भारी बारिश और बाढ़ की वजह से राज्य में अलग-अलग जगहों पर कम से कम 6 लोगों की जान चली गई। वहीं लोगों की संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर पुल टूट गए हैं और मकान ढग गए हैं। इसके अलावा कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। चंडीगढ़-मनाली हाइवे के भी तीन जगहों पर बंद होने की सूचना है।

अचानक आ गया सैलाब

हिमाचल के सुजानपुर और हमीरपुर जिले में बादल फटने के बाद अचानक बाढ़ आ गई। यहां एक शख्स की डूबने से मौत हो गई। पूरे इलाके के नाले उफान मारने लगे। कुल्लू और मोहाल में नाले में तीन ट्रैक्टर और पांच अन्य वाहन बह गए। इसके अलावा चंबा के पास कम से कम 50 वाहन फंस गए। जानकारी के मुताबिक हमीरपुर में एक, सिरमौर-मंडी में दो-दो और चंबा में एक मौत हुई है। डूबने, भूस्खलन और सड़क हादसे की वजह से लोगों की मौत हुई है।

हाईवे पर गिरे बड़े-बड़े पत्थर

मंडी में खोतीनाला और चारमील के पास हुए भूस्खलन के बाद सड़क पर बड़े0-बड़े पत्थर बिखर गए हैं। इसके अलावा यहां के नाले में पानी पुल के ऊपर से बहने लगा और पुल भी डैमेज हो गया। तेजी से बह रहे पानी में काफी मलबा भी आया है जिसकी वजह से हाइवे बंद हो गए। बताया जा रहा है कि दो ही दिन में मंडी में 300 एमएम से ज्यादा बारिश हो गई।

फसलों को नुकसान

बाढ़ और भारी बारिश के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा तथा मकान और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा बाढ़ के पानी में कई मवेशी बह गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार को हमीरपुर और शिमला जिले में एक-एक व्यक्ति डूब गया। बारिश ने 11 मकानों और वाहनों के साथ-साथ चार गौशालाओं को भी नुकसान पहुंचाया।

ओडिशा में भीषण सड़क हादसा, 2 बसों की टक्कर में 10 यात्रियों की मौत; कई घायल

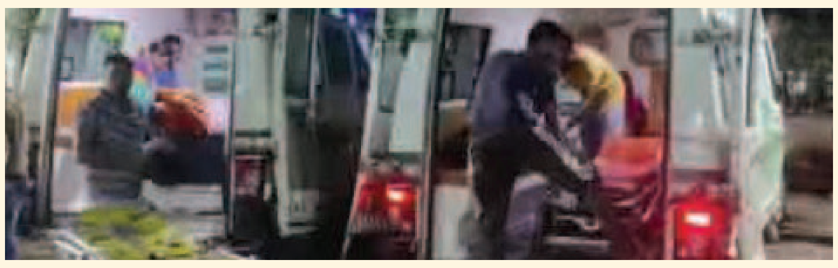

भुवनेश्वर। ओडिशा के गंजम जिले में देर रात दिगपहांडी के पास दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। करीब आठ यात्री घायल हैं। गंजम की जिला मजिस्ट्रेट दिव्य ज्योति परिदा ने कहा कि घायलों को इलाज के लिए एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। उन्होंने घटना की जानकारी देते हुए कहा, दो बसें टकरा गईं, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। घायलों को तुरंत इलाज के लिए एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। मामले की जांच चल रही है। हम घायलों को हर संभव मदद देने की कोशिश कर रहे हैं। हादसे की खबर के बाद ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने भी गंजाम जिले में हुए बस हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मृतकों के परिजनों को 3-3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

दिल्ली में 10 प्रतिशत महंगी हो सकती है बिजली, डीईआरसी ने नई दरों को दी मंजूरी; क्या करेगी केजरीवाल सरकार?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बिजली की दरें महंगी हो सकती हैं। बिजली आपूर्ति कंपनियों को पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत बिजली खरीद की दरों में 10 फीसदी के बढ़ोत्तरी की मंजूरी मिल गई है। बिजली आपूर्ति कंपनी बीएसईएस ने डीईआरसी के पास इसे लेकर अर्जी लगाई थी। हालांकि बिजली की दरें बढ़ेगी की नहीं इसपर अंतिम फैसला सरकार लेगी। दिल्ली में बिजली की नई दरों को तय करने को लेकर प्रक्रिया चल रही है। जनता के सुझावों के बाद इसपर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

बिजली आपूर्ति कंपनियों का कहना है कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। लगभग हर साल बिजली आपूर्ति कंपनियों बिजली खरीद समझौते में बिजली की दरों को बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर डीईआरसी से

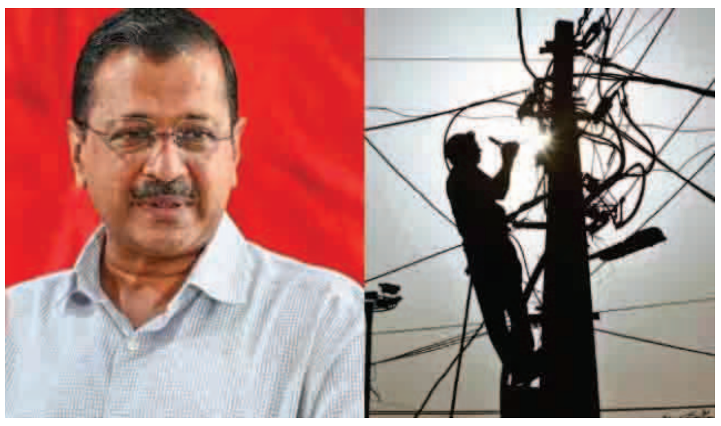

मंजूरी लेनी होती है। इस बार इसमें मंजूरी दी गई है जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बिजली की दरों में 10 फीसदी तक के इजाफा हो सकता है। अब चूंकि इसका भार बिजली कंपनियों को उठाना पड़ता है तो बिजली उपभोक्ताओं के बिजली दरों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

हालांकि, बीते साल बिजली खरीद समझौते के तहत भी बढ़ोत्तरी हुई है। उस समय दिल्ली सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं पर इसका भार डालने की मंजूरी नहीं दी थी। बिजली आपूर्ति कंपनियों को ही इसका भार वहन करने का निर्देश दिया था। इस बार भी इसपर अंतिम फैसला सरकार लेगी। डीईआरसी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली में नई बिजली दरों को तय करने कि प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। नई डीईआरसी चेयरमैन की नियुक्ति के बाद इसमें बढ़ोत्तरी की आशंका भी है। वर्तमान में दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलती है। 201 से 400 यूनिट तक की खपत करने वाले बिजली उपभोक्ताओं को बिजली के बिल पर 50 फीसदी की छूट मिलती है।

पहलवानों के कौन से वादे हो गए पूरे, बृजभूषण के खिलाफ अब सरकार के किस फैसले का इंतजार

नई दिल्ली। WFI यानी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ सड़कों पर जारी पहलवानों के प्रदर्शन पर विराम लग गया है। हालांकि, पहलवानों ने यह भी साफ कर दिया है कि वे सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर अपनी जंग कोर्ट में लड़ना जारी रखेंगे। खास बात है कि विरोध प्रदर्शन का मुख्य चेहरा रहे स्टार रेसलर बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने सरकार की तरफ से वादा पूरा होने की बात कही है। साथ ही अन्य वादों पर अमल के इंतजार में हैं।

कौन से वादे हुए पूरे

पूनिया, फोगाट और मलिक की तरफ से देर रात एक जैसा मैसेज शेयर किया गया। इसमें कहा गया है कि कोर्ट में चार्जशीट पेश कर सरकार ने वादों को पूरा किया है। ट्विटर पोस्ट के अनुसार, सरकार के साथ 7 जून को हुई वार्ता में सरकार ने जो पहलवानों के साथ वादे किए उन पर अमल करते हुए सरकार ने उस कड़ी में महिला कुश्ती खिलाड़ियों द्वारा महिला उत्पीड़न एवं यौन शोषण के संबंध में की गई शिकायतों के मामले में 6 महिला पहलवानों द्वारा दर्ज FIR की दिल्ली पुलिस

जांच पूर्ण करके 15 जून को कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी गई है।

आगे लिखा गया, इस केस में पहलवानों की कानूनी लड़ाई सड़क की जगह कोर्ट में जारी रहेगी जब तक न्याय नहीं मिल जाता। फरवरी से शुरू हुआ पहलवानों का प्रदर्शन करीब 5 महीनों तक दो दौर में चला।

अब क्या बाकी

पोस्ट में तीनों पहलवानों ने WFI चुनाव संबंधी मांगों को भी पूरा करने की मांग की है। उन्होंने लिखा, कुश्ती संघ के सुधार के संबंध मं नई कुश्ती संघ के चुनाव की प्रक्रिया वादे के अनुसार शुरू हो गई है। जिसके चुनाव 11 जुलाई को होना तय है के संबंध मं सरकार ने जो वादे किए हैं उसपर अमल होने का इंतजार रहेगा। मलिक और फोगाट ने सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का भी ऐलान कर दिया है।

ट्रायल्स का पेंच

आरोप लगाए जा रहे हैं कि पहलवानों नने एशियाई खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट हासिल करने के लिए प्रदर्शन किए हैं। पूर्व पहलवान योगेश्वर दत्त का कहना था कि क्या ये पहलवान छूट हासिल करने के लिए ही विरोध कर रहे थे। इसपर फोगाट ने जवाब दिया कि सरकार से ट्रायल्स को आगे बढ़ाने की अपील की गई थी। उन्होंने ट्विटर पर खेल मंत्री के नाम भेजे गए पत्र की फोटो भी साझा की है। पत्र के अनुसार, ट्रायल्स 10 अगस्त के बाद कराने की मांग की गई थी।

संपादकीय

मानसून का स्वागत

भारत में मानसून किसी महोत्सव से कम नहीं है। यहां सदा से मानसून का इंतजार रहा है। छह दशक बाद यह सुखद संयोग बना है कि देश की राजनीतिक राजधानी दिल्ली के साथ ही देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई को भी एक ही दिन मानसून की बौछार हासिल हुई है। इन महानगरों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत की घोषणा के साथ ही देश के एक बड़े इलाके में खुशी का संचार हो गया है। मुंबई को मानसून के लिए तय समय से 14 दिन ज्यादा इंतजार करना पड़ा, वहीं दिल्ली को तय समय से दो दिन पहले ही मानसून नसीब हो गया। क्या दोनों जगहों पर एक साथ मानसून के आने का कोई अर्थ है? पिछली बार जब दोनों शहरों में 21 जून, 1961 को मानसून आया था, तब बारिश की क्या स्थिति थी? क्या इस बार मुंबई या महाराष्ट्र में सामान्य से कम बारिश होने वाली है? इस बार दिल्ली और आसपास के इलाकों को जून के महीने में ज्यादा बारिश मिलने की उम्मीद है। आगामी दिनों में उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ मैदानी इलाकों को छोड़कर बाकी हर जगह बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर ज्यादा वर्षा की आशंका है, तो जाहिर है, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को ज्यादा सावधान रहना होगा। खासकर बिजली गिरने और तूफान की आशंका के मद्देनजर लोगों को सतर्क रहना चाहिए। शुरुआती बारिश की तीव्रता ज्यादा होती है और लोग आपदाओं का सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं। आने वाले दिनों में लोगों को मौसम संबंधी अनुमानों पर खास निगाह रखनी चाहिए। किसी भी यात्रा पर निकलने से पहले सुविधा-असुविधा सोचकर पूरी तैयारी से निकलना चाहिए। देश ने अपने पश्चिम तट पर हाल ही में बिपरजॉय चक्रवात को झेला है और इसमें हुई न्यूनतम जनहानि से हमें सीखना चाहिए। चूंकि हम सतर्क थे, इसलिए हमें कम से कम नुकसान हुआ। ठीक इसी तरह की सतर्कता मानसून के समय भी जरूरी है। ध्यान देने की बात है कि ज्यादा बारिश होगी, तो जगह-जगह बाढ़ की भी स्थिति बनेगी। ऐसे में, अपने जीवन को बचाना सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी तरह का खतरा लेना उचित नहीं है। आपदा प्रबंधन से जुड़े लोगों को भी समय रहते अपनी तैयारी मुकम्मल कर लेनी चाहिए।दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने देश की ताकत है और इस ताकत का पूरा लाभ लेने की दिशा में हमें गंभीरता से काम करना चाहिए। यह जल संरक्षण और पौधरोपण का भी समय है। जल संरक्षण के तमाम साधनों को सक्रिय कर देना चाहिए। जल भराव से बचने का एक तरीका यह है कि जल को किसी जलाशय या नदी तक पहुंचने का रास्ता दे दिया जाए। खासकर मुंबई, दिल्ली और अन्य बड़े शहरों में जल भराव एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। थोड़ी सी बारिश होती है और देश के अच्छे-अच्छे शहरों की पोल खुलने लगती है। गौर करने की बात यह भी है कि हमारे यहां बहुत पानी बर्बाद होता है। अनेक नदियों तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता और वो प्यासी रह जाती हैं। जल संरक्षण के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए यह परीक्षा का समय है। इसके साथ ही मानसून मौसमी बीमारियों को भी बढ़ाता है। अभी उत्तर प्रदेश और बिहार के एक बड़े इलाके में लोग लू या गर्मी के चलते सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, मतलब हम मौसम के अनुकूल जीवन बनाने में विफल हुए हैं। अब बारिश के समय हमें मौसम के अनुकूल ही चलने की जरूरत है, ताकि मानसून का समय महोत्सव सिद्ध हो।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

भारत में किसानों की आय हो रही है दोगुनी

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

प्राचीन भारत में तो सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में गाय पालन की गतिविधियां बहुत बड़े स्तर पर चलाई जाती थी। उस खंडकाल में गाय पालन से दरअसल बहुत अधिक आर्थिक लाभ होता था। गाय के गोबर का इस्तेमाल खाद के रूप में किया जाता था, गाय के दूध से डेयरी उत्पादों का निर्माण कर बाजार में बेचा जाता था, गौ मूत्र का दवाई के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, आदि।

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण इलाकों में रहती है एवं इसमें से बहुत बड़ा भाग अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। यदि ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि होने लगे तो भारत के आर्थिक विकास की दर को चार चांद लगाते हुए इसे प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत से भी अधिक किया जा सकता है। इसी दृष्टि से केंद्र सरकार लगातार यह प्रयास करती रही है किसानों की आय को किस प्रकार दुगुना किया जाय। इस संदर्भ में कई नीतियों एवं सुधार कार्यक्रम लागू करते हुए किसानों की आय को दुगुना किये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अप्रेल 2016 में इस सम्बंध में एक मंत्रालय समिति का गठन भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया था एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए सात स्त्रोतों की पहचान की गई थी, इनमे शामिल हैं, फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करना, पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि करना, संसाधन के उपयोग में दक्षता हासिल करते हुए कृषि गतिविधियों की उत्पादन लागत में कमी करना, फसल की सघनता में वृद्धि करना, किसान को उच्च मूल्य वाली खेती के लिए प्रोत्साहित करना (खेती का वीविधीकरण), किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना एवं अधिशेष श्रमबल को कृषि क्षेत्र से हटाकर गैर कृषि क्षेत्र के पेशों में लगाना। उक्त सभी क्षेत्रों में केंद्र सरकार द्वारा किए गए कई उपायों के अब सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं एवं कई प्रदेशों में किसानों के जीवन स्तर में सुधार दिखाई दे रहा है, किसानों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है एवं कुल मिलाकर अब देश के किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्राचीन भारत में तो सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में गाय पालन की गतिविधियां बहुत बड़े स्तर पर चलाई जाती थी। उस खंडकाल में गाय पालन से दरअसल बहुत अधिक आर्थिक लाभ होता था। गाय के गोबर का इस्तेमाल खाद के रूप में किया जाता था, गाय के दूध से डेयरी उत्पादों का निर्माण कर बाजार में बेचा जाता था, गौ मूत्र का दवाई के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, आदि। ग्रामीण इलाकों में किसी भी परिवार की सम्पन्नता इस बात से आंकी जाती थी कि किस परिवार में गाय की संख्या कितनी है। कृषि कार्य के अतिरिक्त लगभग समस्त परिवार गाय पालन की गतिविधि में भी संलग्न रहते थे एवं इससे यह उनकी आय का एक अतिरिक्त साधन बन जाता था। इसी तर्ज पर वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में किसानों के लिए पशुपालन की गतिविधि को एक अतिरिक्त स्त्रोत के रूप में बढ़ावा दिया गया है। पिछले 9 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा कृषि के लिए बजट आबंटन में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। वर्ष 2015-16 में कृषि बजट के लिए 25,460 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 138,551 करोड़ रुपए का हो गया है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री किसान योजना प्रारम्भ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष रुपए 6000 की राशि, तीन समान किश्तों में, पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधे ही केंद्र सरकार द्वारा जमा कर दी जाती है। इस राशि का उपयोग पात्र किसान कृषि कार्य सम्पन्न करने के लिए खाद, बीज आदि खरीदते हैं। प्रधानमंत्री किसान योजना के अंतर्गत अभी तक 11.3 करोड़ पात्र किसान परिवारों को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि केंद्र सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। देश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को भी सफलतापूर्वक लागू किया गया है। प्राकृतिक आपदा की परिस्थितियों के बीच किसानों की फसल बर्बाद होने की स्थिति में बीमा कम्पनी द्वारा प्रभावित किसानों को हुए आर्थिक नुकसान की क्षतिपूर्ति की जाती है। इससे भारतीय किसानों का आत्म विश्वास बढ़ा है। कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण के लक्ष्य में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। पशु पालन और मत्स्य पालन के लिए प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत ब्याज पर रियायती संस्थागत ऋण किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे इन गतिविधियों में किसानों की लाभप्रदता बढ़ी है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से समस्त प्रधानमंत्री किसान योजना के लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ दिया गया है। विभिन्न उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन लागत के डेढ़ गुने तक तय किया जा रहा है। भारत में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके कारण कीटनाशक दवाओं एवं उर्वरकों का कम इस्तेमाल होने लगा है एवं इससे किसानों के लिए कृषि पदार्थों की उत्पादन लागत कम हो रही है।

इसी प्रकार, राष्ट्रीय कृषि मंडी (ई-नाम) की स्थापना भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है। इससे किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए बेहतर बाजार मिला है। कृषि उपज लाजिस्टिकस में सुधार करते हुए किसान रेल की शुरुआत भी की गई है। इस विशेष सुविधा से विशेष रूप से फल एवं सब्जी जैसे पदार्थों के नष्ट होने की सम्भावनाएं कम हो गई हैं। देश में कृषि और सम्बंध क्षेत्र में स्टार्ट अप ईको सिस्टम का निर्माण भी किया जा रहा है। उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर अब किसान की आय बढ़ाने हेतु नीतियों का निर्माण किया जा रहा है। किसानों को 'प्रति बूंद अधिक फसल' के सिद्धांत का पालन करते हुए, सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। इस सम्बंध में सूक्ष्म सिंचाई कोष का गठन भी किया गया है। किसान उत्पादक संगठनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है ताकि किसान अपनी फसलों को उचित दामों पर बाजार में बेच सकें एवं इस संदर्भ में बाजार में प्रतियोगी बन सकें। कृषि क्षेत्र के यंत्रीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। खेत के मिट्टी की जांच कर किसानों को मृद्दा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि किसान इस मिट्टी में उसी फसल को उगाए जिसकी उत्पादकता अधिक आने की सम्भावना हो।

भारत में विभिन्न कृषि उत्पादों के उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि के चलते अब भारत के किसान विभिन्न कृषि उत्पादों का निर्यात भी करने लगे हैं। भारतीय कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ रही मांग के चलते अब किसानों को इन उत्पादों के निर्यात से अच्छी आय होने लगी है। केंद्र सरकार ने कृषि उत्पादों के देश से निर्यात सम्बंधी नियमों को आसान किया है।

केंद्र सरकार द्वारा किए गए उक्त वर्णित कई उपायों के चलते फसलों और पशुधन की उत्पादकता में वृद्धि हुई है, संसाधनों के उपयोग में दक्षता आने से उत्पादन लागत में कमी आई है, फसल की सघनता में वृद्धि दर्ज हुई है, उच्च मूल्य वाली खेती की ओर विविधिकरण हुआ है, किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल रहा है एवं अतिरिक्त श्रमबल को कृषि क्षेत्र से हटाकर गैर कृषि क्षेत्र के पेशों में लगाया गया है। इस सबका मिलाजुला परिणाम यह हुआ है कि किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि दृष्टिगोचर हो रही है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से किसानों की आय बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

(सेवा निवृत उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

सतत् संवाद से संभव होता विकास और बदलाव

(लेखक - विष्णुदत्त शर्मा)

विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी की संवादपरकता का लोहा सारी दुनिया मानती है। आज सांसार के सभी शक्तिशाली लोग उनसे मिलने को आतुर रहते हैं। विविध क्षेत्रों की श्रेष्ठ शख्सियतें भी मोदी की मुरीद हैं। किसी बड़े देश का राष्ट्राध्यक्ष हो या बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी का मुखिया, वह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सानिध्य चाहता है। हाल की उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान यह दृश य सभी ने देखा है। अमेरिकी कॉंग्रेस में मोदी के भाषण के दौरान भी मोदी-मोदी के नारे से सीनेट लगातार गूँजता रहा था। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अमेरिका में मोदी के नेतृत्व में रिकॉर्ड बन गया, जहां एक साथ 137 देशों के लोगों ने योग किया। भारतीय योग का परचम फहराने वाले श्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्टता है, कि वे बड़ी चीजों पर जितना ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक छोटी दिखने वाली चीजों पर देते हैं। भारत से बाहर वे जहां भी जाते हैं, वहां प्रवासी भारतीयों से अवश्य मिलते हैं और उनसे संवाद करते हैं।अत्यंत व्यस्त होते हुए भी प्रधानमंत्री ने अमेरिका के एक हजार प्रवासी भारतीयों से संवाद किया। मोदी एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनका भाषण सुनने विदेशों में भी हजारों लोग लालायित रहते हैं। अमेरिकन कम्युनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष भरत बरई के मुताबिक वैश्विक भारतीय डायस्पोरा के लिए मोदी सबसे लोकप्रिय भारतीय प्रधानमंत्री हैं और अब वह सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं।

दरअसल, जनतंत्र में लोकप्रियता का सूत्र है सतत् संवाद। जहां संवाद नहीं होगा, वहां लोकप्रियता नहीं होगी। संगठन में शुरु से ही श्री नरेंद्र मोदी जी अपनी संवाद शैली से जाने जाते रहे हैं। उनके रग-रग में संगठन-भाव है। शीर्ष पद पर बैठकर भी वे जितनी सहजता से ताकतवर नेताओं व उद्योगपतियों आदि से संवाद करते हैं, उससे कहीं अधिक सहजता से वे अपने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हैं। निचले पायदान पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से संवाद का कोई भी अवसर वे नहीं छोड़ते। यही कारण है कि भाजपा का हर कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ महसूस करता है। कार्यकर्ताओं के प्रति उनका कुटुंब-भाव यह दर्शाता है कि भाजपा एक कैडर आधारित दल है। जहां कोई भी कार्यकर्ता अपने बीच से निकले प्रधानमंत्री से सहज संवाद कर सकता है। दशकों पहले संगठन-कार्य करते हुए मोदी जी ने यह विश्वास स्थापित किया है। नेतृत्व की यह विशेषता ही हम सबकी थाती है। संगठन में सतत् संवाद भाजपा की विरासत है, जिसे मोदी जी ने नयी ऊँचाई दी है। तकनीकी उपयोग द्वारा उन्होंने इस परंपरा को नयी पहचान दी है। नमो एप के जरिये देशभर के कार्यकर्ताओं का उनसे सतत् संपर्क संभव है। साथ ही सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री का संदेश नीचे तक सीधे पहुंचता है। आज भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं का महाकुंभ इस कड़ी में एक नया अध्याय लेकर आया है। 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' कार्यक्रम के जरिये मोदी जी देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ताओं से संवाद का इतिहास रचेंगे। राजनीतिक इतिहास में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क का यह आयोजन एक जनप्रिय नेता ही कर सकता है। यह संकल्प वही पूरा कर सकता है, जो कार्यकर्ताभाव से भरा हुआ हो। ये उसी नेता के द्वारा संभव है, जो मूल तत्व के महत्व को समझता हो और उसे सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो। बड़े-बड़े पुराने दल के नेता आज दर-बदर घूम कर समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। सत्ता के लिए वे न जाने कितने दरवाजे खटखटा रहे हैं। जिनके पास नेता और कार्यकर्ता दोनों का अभाव है, उनसे भी दोस्ती की भीख मांग रहे हैं। परन्तु कार्यकर्ता आधारित पार्टी का नेता विदेश से लौटकर सीधे अपने बूथ की ओर देख रहा है। वह अपने बूथ के कार्यकर्ता से सीधे संवाद करने के लिए हाजिर है। यही है पार्टी विथ डिफरेंस। यहां कार्यकर्ताओं की अहमियत का अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि गुजरात विधानसभा चुनाव की जीत के बाद मोदी जी ने कहा था कि इस विजय में पन्ना और बूथ समितियों के कार्यकर्ताओं की अतुलनीय भूमिका है। उल्लेखनीय है कि आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा जमीन से लेकर डिजीटल तक सभी प्रकार के प्लेटफार्म पर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' अभियान से जुड़े जिन कार्यकर्ताओं से आज मोदी जी संवाद करेंगे, उनकी चयन प्रक्रिया भी एक लोकतांत्रिक इतिहास का अहम पड़ाव बन गया है। इसके तहत देश के सभी विधानसभा और लोकसभा से दस-दस नाम चुने गये। ये नाम देशभर के सभी प्रमुख नेताओं को सौंपे गये, जिन्होंने इन दस बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साक्षात्कार लिये। बूथ से जुड़े प्रश्नों को लेकर बनाए गये मानदंडों पर बेहतर प्रदर्शन वाले प्रत्येक लोकसभा से पांच-पांच लोग मिलाकर कुल तीन हजार लोगों का चयन हुआ, जो भोपाल में प्रधानमंत्री से संवाद के लिए प्रत्यक्ष उपस्थित हो रहे हैं। इसके अलावा देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ता भी डिजिटल तौर पर मोदी जी से सीधे जुड़ेंगे।

कार्यकर्ता आधारित संगठन की घोषणा को चरितार्थ करने वाला यह समागम ऐतिहासिक है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री श्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा के भीतर मौजूद कार्यकर्ताभाव के कारण आज देश में गरीब कल्याण की योजनाएं जमीन पर उतर रही हैं।निरंतर संवाद के कारण ही आज देश में गरीबों और गांवों को ध्यान में रखकर नीतियां और योजनाएं बनती हैं। एक साधारण कार्यकर्ता से चलकर देश में शीर्ष पायदान तक पहुंचने वाले मोदी जी का साधारण कार्यकर्ताओं से संवाद उत्प्रेरक का काम करता है। उनका यह कदम मौजूदा चुनौतियों से निपटने और आगे के विकास और बदलाव के लिए मार्ग भी दिखाता है। वस्तुतः भाजपा में नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे के पूरक हैं। यहां परस्परता और सहकारिता की संस्कृति है। सभी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण है। भाजपा सरकार की जनसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों में कार्यकर्ता की अपनी भूमिका भी निहित है।यही वजह है कि आज अन्त्योदय की भावना से गरीबों के जीवन बदलने का सपना साकार हो रहा है।

दलगत व्यवस्था में जमीनी स्तर पर सतत् संवाद रखने वाला नेतृत्व समाज की समस्याओं का हल लेकर आता है। नेता, नीयत और नीति से ही जनकल्याण का संकल्प संभव है। जनभावनाओं से कटे हुए नेता विदेशों में जाकर देश की आलोचना करते हैं। उन्हें देश की नब्ज समझने का सलीका नहीं होता। गृह मंत्री श्री अमित शाह हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल करने का जो मंत्र देते हैं, उसमें यही संदेश निहित है कि कार्यकर्ता अपने बूथ पर अधिकांश लोगों तक अपना जीवंत संवाद बनाए रखे। पूर्व में मध्यप्रदेश की राज्य इकाई ने सफल बूथ विस्तारक अभियान चलाया था। चुनावी राजनीति में बूथ सशक्तिकरण का सामर्थ्य कैडर आधारित दल में ही है। देशभर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का एक परिवार की तरह एकत्र होकर संकल्प लेना भी ऐतिहासिक है।भाजपा के पितृपुरुष श्री कुशाभाऊ ठाकरे की कर्मभूमि पर बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के महाकुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में आयोजित 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम भाजपा की सकारात्मक राजनीति को एक नया संकल्प और एक नई शक्ति प्रदान करने वाला है। आज का दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में किसी दल के नेता द्वारा कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा से सांसद हैं)

घोषित और अघोषित आपातकाल,विपक्षी दलों का गठबंधन?

(लेखक/सनत कुमार जैन)

1975 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन- प्रदर्शन हो रहे थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने सेना और पुलिस से सरकार के आदेश नहीं मानने की सार्वजनिक अपील की। जिसके कारण पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी। 21 माह तक भारत में आपातकाल लागू रहा। इस दौरान विपक्षी दलों के नेताओं, छात्र नेताओं एवं कर्मचारी नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया था। 34988 लोगों की मीसा में गिरफ्तारी हुई थी। राजनीतिक बंदी के रूप में जेलों में बंद रखा गया था। 1977 में जैसे ही आपातकाल के समाप्ति की घोषणा हुई। उसके बाद सभी विपक्षी दलों ने आपातकाल के विरोध में एक जुट होकर जनता दल का गठन किया। आपातकाल में नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म किए गए थे। संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार सीमित किए गए थे। उसके विरोध में विपक्षी दलों का गठबंधन बना था। उस समय आपातकाल का भय लोगों में व्याप्त था। सभी लोगों को भय था, कि यदि इंदिरा गांधी पुनः 1977 का आम चुनाव जीत गई, तो आगे भी आपातकाल जैसी स्थिति बन सकती है। इसको देखते हुए संपूर्ण विपक्ष ने भारतीय राष्ट्रवाद ,लोकलुभावन वाद, गांधीवादी समाजवाद और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट हुआ। सभी विपक्षी दलों ने मिलकर जनता दल का गठन किया। कई विचारधाराओं की पार्टियां गठबंधन में शामिल हो गई। जनसंघ का विलय भी जनता दल में हो गया। सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पहचान खोते हुए जनता दल का गठन किया था। 1977 के लोकसभा के आम चुनाव में जनता दल ने कांग्रेस को पराजित किया। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। जनता दल में, जनता मोर्चा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, (सिंडीकेट) राजनारायण और जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व वाली सोशलिस्ट पार्टी, चौधरी चरण सिंह का भारतीय लोक दल, भारतीय जनसंघ जनता पार्टी में शामिल हुई। बाबू जगजीवन राम के नेतृत्व में बनी कांग्रेस फार डेमोक्रेसी ने बाहर से समर्थन दिया। केंद्र में जनता दल की सरकार का गठन हुआ। जनता दल की सरकार ने आपातकाल के दौरान जो निर्णय इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लिए गए थे। उन्हें समाप्त कर दिया, इस तरह के प्रावधान किए गए कि भविष्य में आपातकाल ना लगाया जा सके। आपातकाल के दौरान जो ज्यादातियां की गई थी। उसकी जांच के लिए शाह आयोग का गठन किया। आपसी लड़ाई और वैचारिक मतभेदों के कारण जल्द ही यह सरकार अलोकप्रिय हो गई। सत्ता के बंटवारे को लेकर शामिल राजनीतिक दलों में लगभग ढाई साल तक खींचतान चलती रही अंततः जनता दल की सरकार गिर गई। 1980 में पुनः देश में आम चुनाव हुए। जिसमें इंदिरा गांधी पुनः स्पष्ट बहुमत के साथ केंद्र में सरकार बनाने में सफल रहीं। जनता दल का गठन आपातकाल के विरोध में हुआ था। जैसे ही आपातकाल की संभावनाएं खत्म हुई। उसके बाद जनता दल का विघटन हो गया। 1975 का आपात काल संविधान द्वारा प्रदत्त घोषित आपातकाल था।

वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र में स्पष्ट बहुमत की सरकार है। इस सरकार के कामकाज को अघोषित आपातकाल के रूप में विपक्षी दल प्रचारित कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई एवं आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियां मनमाने तरीके से विपक्ष को दबाने का काम कर रही हैं। विपक्ष के नेताओं के ऊपर गिरफ्तारी छापेमारी और कई महीनों तक जेल में बंद रखने से विपक्ष इसे अघोषित आपातकाल बता रहा है। विपक्ष को लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्थान नही मिलने के कारण वर्तमान शासन व्यवस्था को आपातकाल से जोड़कर देखा जा रहा है। विपक्षी द्वारा अब कहा जाता है, कि घोषित आपातकाल से ज्यादा खराब अघोषित आपातकाल है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान विपक्षी नेताओं को जेल में बंद किया था। जिन्होंने आंदोलन नहीं करने का बांड भरा था। उन्हें कुछ ही महीनों में ही छोड़ दिया गया था। जिन नेताओं ने बांड नहीं भरा था, ऐसे राजनीतिक बंदी लगभग 21 महीने तक राजनीतिक बंदी के रूप में जेल में बंद थे। इनके ऊपर इंदिरा गांधी की सरकार ने कोई मुकदमा नहीं चलाया था। इनके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए थे। यही एक कारण था कि 1977 में जब आपातकाल खत्म हुआ। तब सारे विपक्ष ने मिलकर जनता दल का गठन किया। इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर किया। वर्तमान अघोषित आपातकाल में सीबीआई ईडी और आयकर विभाग लगातार विपक्षियों पर छापे डाल रहा है। विपक्षी दलों के नेताओं पर फर्जी मुकदमा तैयार किए जा रहे हैं।

जी-20 के इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक 26 से 28 जून तक उत्तराखंड में

नई दिल्ली । जी-20 इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप (आईडब्ल्यूजी) की तीसरी बैठक उत्तराखंड के ऋषिकेश में होगी। बैठक में बुनियादी ढांचे में निवेश की दिशा में अभिनव तरीकों व अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक में अन्य प्राथमिकताओं के साथ-साथ भविष्य के शहरों के वित्त पोषण- समावेशी, लचीलेपन और टिकाऊपन पर चर्चा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जी-20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कुल 63 प्रतिनिधि भारत की जी-20 की अध्यक्षता के तहत 2023 इन्फ्रास्ट्रक्चर एजेंडे पर चर्चा को आगे बढ़ाने और मार्च 2023 में विशाखापत्तनम में आयोजित दूसरी आईडब्ल्यूजी बैठक के दौरान हुई चर्चाओं की आगे की कार्यवाही के लिए बैठक में भाग लेंगे।वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, भारत की अध्यक्षता के तहत जी-20 की इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक 26 से 28 जून 2023 तक उत्तराखण्ड के ऋषिकेश में होने जा रही है।

आइडियाफोर्ज का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

मुंबई । ड्रोन बनाने वाली प्रमुख कंपनी आइडियाफोर्ज का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। यह 29 जून तक बोली लगाने के लिए खुलेगा रहेगा। आइडियाफोर्ज से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से लगभग 254 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इन निवेशकों में नोमुरा, इनवेस्को, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई प्रू एमएफ, मिराए एसेट एमएफ, एचडीएफसी एमएफ, गोल्डमैन सैक्स जैसे कुछ प्रमुख नाम शामिल हैं। बता दें कि ज्यादातर विश्लेषकों ने निवेशकों को कंपनी के अलग-अलग क्षेत्रों में कारोबार को देखते हुए इश्यू को सब्क्राइब करने की सलाह दी है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस रेंज 638 से 672 रुप, है। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि भविष्य की विकास संभावनाओं को देखते हुए आईपीओ उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध है। विशलेषकों ने कंपनी के आईपीओ को सब्स्क्राइब की रेटिंग दी है। बता दें कि आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी भारतीय मानव रहित विमान प्रणाली बाजार में अग्रणी है। कंपनी की वित्त वर्ष 2022-23 में बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत रही है। कंपनी मैपिंग सर्विस, सुरक्षा और निगरानी के लिए मानव रहित हवाई वाहन बनाती है।

श्री सीमेंट के शेयरों में 10 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। राजस्थान में श्री सीमेंट ग्रुप के ऑफिस में आयकर विभाग के सर्वे के बाद श्री सीमेंट लिमिटेड के शेयरों में 10 प्रे तिशत की तेज गिरावट आई है, जो कि तीन वर्षों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार आयकर विभाग की तलाशी के बाद देश के सबसे बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग की कार्रवाई में 23000 करोड़ रुपये से ज्यादा की टैक्स चोरी के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जयपुर की आयकर विभाग की टीम की श्री सीमेंट ग्रुप के 24 से ज्यादा ठिकानों पर तलाशी जारी है। आयकर विभाग की कार्रवाई जयपुर, ब्यावर, उदयपुर, अजमेर और चित्तौड़गढ़ में जारी है। श्री सीमेंट ने एनएसई और बीएसई को पत्र लिखकर बताया गया है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का सर्वे अभी भी जारी है। कंपनी के अधिकारी आयकर विभाग का पूरा सहयोग कर रहे हैं।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

सेंसेक्स 9 अंक गिरा, निफ्टी 26 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

शेयर बाजार में सोमवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन वैश्विक बाजार में मिलेजुले संकेतों के बीच सेंसेक्स 9 अंक गिरा जबकि निफ्टी में 26 अंकों की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.37 अंक करीब 0.01 फीसदी नीचे आकर 62,970.00 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,136.09 तक ऊपर जाने के बाद 62,853.67 तक फिसला। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला निफ्टी 25.70 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी ऊपर आकर अंत में 18,691.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,722.05 तक ऊपर जाने के बाद 18,646.70 तक गिरा। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 20 लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। मारुति, के शेयर सबसे अधिक 1.67 फीसदी तक बढ़े। इसके अलावा टाटा मोटर्स, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 10 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टीसीएस, रिलायंस, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान टीसीएस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 0.86 फीसदी तक फिसले।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुले लेकिन थोड़ी देर में ही कारोबार के दौरान सेंसेक्स में हल्की तेजी देखी गई और यह 63 हजार के पार चला गया। बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 63,018 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 18,650 के स्तर से ऊपर कारोबार कर रहा था। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल और सिप्ला निफ्टी के सबसे अधिक लाभ में रहे। जबकि अदानी एंटरप्राइजेज, एचडीएफसी लाइफ, अदानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल और टीसीएस निफ्टी के सबसे अधिक नुकसान में रहे।

अदाणी ग्रुप का 2-3 साल में 90,000 करोड़ एबिटा आय का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप ने कारोबार में मजबूत वृद्धि के साथ कर–पूर्व लाभ में 20 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2–3 साल में एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) को बढ़ाकर 90,000 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने एक टिप्पणी में यह बात कही। अदाणी ग्रुप ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की शोध रिपोर्ट आने के बाद निवेशकों का विश्वास वापस जीतने के लिए इसी महीने कुल 2.65 अरब डॉलर का ऋण समय से पहले चुकाया। अदाणी ग्रुप अब हवाई अड्डों, सीमेंट, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर पैनल, परिवहन और रसद, बिजली और पारेषण जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि देख रहा है। कंपनी ने कहा कि ग्रुप के कई नए बुनियादी ढांचे के निवेश से भी आने वाले वर्षों में लाभ मिलने लगेगा। ग्रुप ने एक बयान में कहा कि उसे आगामी वर्षों में एबिटा 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है।

कोल इंडिया के कर्मचारियों ने दी सरकार को हड़ताल पर जाने की धमकी

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी अधिकारियों के एक संगठन ने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के साथ उनके वेतन विवाद का समाधान नहीं होने तक हड़ताल पर जाने की धमकी दी। इससे पहले कोयला मंत्रालय ने कहा था कि उसने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के मजदूर संगठनों के साथ हुए वेतन संशोधन समझौते को मंजूरी दे दी है। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एक्जीक्यूटिव्स (एआईएसीई) ने कोल इंडिया के चेयरमैन को लिखे पत्र में कहा कि गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए नए वेतन समझौते के चलते कार्यकारी अधिकारियों के साथ वेतन विवाद होगा। एसोसिएशन ने मांग की कि कार्यकारी कर्मचारियों को 'व्यक्तिगत वेतन पैकेज के माध्यम से वेतन-संरक्षण की अनुमति' देकर मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि उनका वेतन श्रमिकों के वेतन से कम न हो। एआईएसीई के महासचिव पीके सिंह राठौड़ ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो कार्यकारी अधिकारियों को हड़ताल सहित आंदोलन का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा- जल्द सस्ता होगा लोन!

- खुदरा महंगाई घटी, इसे और कम कर 4 प्रतिशत पर लाने की कोशिश जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि रेपो रेट में की गई वृद्धि और सरकार द्वारा आपूर्ति व्यवस्था बेहतर बनाने के उपायों से खुदरा महंगाई घटी है। उन्होंने कहा कि इसे और कम कर 4 प्रतिशत पर लाने के लिए कोशिश जारी है। दास ने साथ ही कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिश्चितताएं और अल नीनो की आशंका के साथ चुनौतियां भी बनी हुई हैं। ब्याज दर और मुद्रास्फीति साथ-साथ चलते हैं। इसीलिए अगर मुद्रास्फीति काबू में आती है, तो ब्याज दर भी कम हो सकती है। दास ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के कारण पिछले साल फरवरी-मार्च के बाद मुद्रास्फीति काफी बढ़ गई थी। इसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिंसों के दाम में तेजी आई. गेहूं और खाद्य तेल जैसे कई खाद्य पदार्थ यूक्रेन और मध्य एशिया क्षेत्र से आते हैं। उस क्षेत्र से आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से कीमतें काफी बढ़ गई। इसके तुरंत बाद हमने कई कदम उठाये. हमने पिछले साल मई से ब्याज दर बढ़ाना शुरू किया। सरकार के स्तर पर भी आपूर्ति व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाये गए। इन उपायों से मुद्रास्फीति में कमी आई है और अभी यह पांच प्रतिशत से नीचे है। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर मई महीने में 25 महीने के निचले स्तर पर 4.25 प्रतिशत पर रही। बीते वर्ष अप्रैल में यह 7.8 प्रतिशत तक चली गई थी। महंगाई को काबू में लाने के लिए रिजर्व बैंक पिछले साल मई से इस साल फरवरी तक रेपो दर में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है।

एसएंडपी ने भारत की वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने का अनुमान बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने का अनुमान बरकरार रखा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में भारत की वृद्धि दर सबसे अधिक होगी। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष के वृद्धि अनुमानों को अपरिवर्तित रखा गया है। पिछले वृद्धि अनुमान मार्च में घोषित किए गए थे। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एशिया-प्रशांत के लिए अपनी तिमाही आर्थिक समीक्षा में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत, वियतनाम और फिलीपींस की वृद्धि दर लगभग छह प्रतिशत रहेगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि मध्यम अवधि के लिए वृद्धि अनुमान अपेक्षाकृत ठोस बना हुआ है। एशिया की उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं 2026 तक हमारे वैश्विक वृद्धि परिदृश्य में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बनी हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 6.7 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत रहने का अनुमान है, और

आरबीआई अगले साल की शुरुआत में ही ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सामान्य मानसून और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के चलते मुद्रास्फीति नरम पड़ेगी। एसएंडपी ने 2023 के लिए चीन की वृद्धि दर का अनुमान 5.5 फीसदी से घटाकर 5.2 फीसदी कर दिया है।

पाकिस्तान की संसद ने 14.48 लाख करोड़ के बजट को दी मंजूरी

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान की संसद ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 14.48 लाख करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दे दी। स्वीकृत राहत पैकेज की शेष किस्त जारी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से शर्त रखने के बाद इसमें कुछ नए कर जोड़े गए हैं। बजट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के लिए 3.5 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी घोषणा नौ जून को ही कर दी गई थी। तब बजट में 9,200 अरब रुपए का कर संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन आईएमएफ के शर्त रखने के बाद इसमें 215 अरब रुपए और जोड़कर इसे 9,415 अरब रुपए कर दिया गया। सरकार ने 85 अरब रुपए व्यय घटाने की आईएमएफ की मांग को भी मान लिया है। वित्त मंत्री इशाक डार ने बजट पर चर्चा के दौरान अपने भाषण में कहा कि आईएमएफ से तीन दिन तक चर्चा करने के बाद बजट में ये बदलाव किए गए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दो दिन पहले पेरिस में वैश्विक वित्तीय सम्मेलन के दौरान आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से मुलाकात कर ऋण जारी करने का आग्रह किया था।

टमाटर की कीमतों में तेजी, 80 से 120 रुपए किलो पहुंचा

- सप्ताह भर पहले होलसेल मार्केट में टमाटर की कीमत 30 से 35 रुपए थी

नई दिल्ली ।

टमाटर की कीमत में पिछले एक हफ्ते में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। देश के अधिकांश हिस्सों में रिटेल मार्केट में टमाटर की कीमत 80 से 120 रुपए पहुंच गई है, जबकि होलसेल मार्केट में यह 65 से 70 रुपए किलो मिल रहा है। इस हफ्ते पहले होलसेल मार्केट में इसकी कीमत 30 से 35 रुपए थी। इस तरह एक हफ्ते में टमाटर की कीमत दोगुनी हो गई है। उत्पादन में अचानक आई कमी के कारण टमाटर की कीमत में तेजी आई है। भीषण गर्मी, बारिश में देरी और किसानों की उदासी से टमाटर की कीमत बढ़ी है। मई में टमाटर की कीमत तीन रुपए किलो रह गई थी। इस कारण किसानों ने टमाटर उगाने से परहेज किया है। लागत नहीं मिलने का कारण कई किसानों ने अपनी खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चला दिया था। दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक टमाटर व्यापारी ने कहा कि पिछले दो दिनों में टमाटर की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से टमाटर की आपूर्ति कम हो गई है। अब हम बेंगलुरु से टमाटर ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बार्रीश के दौरान जमीन पर मौजूद टमाटर के पौधे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टमाटर में होने वाले नुकसान के कारण किसानों ने इस फसल की देखभाल करना भी बंद कर दिया है। कम कीमतों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए किसानों ने टमाटर के खेतों की देखभाल करना बंद कर दिया था। महाराष्ट्र के नारायणगांव क्षेत्र के एक किसान ने कहा कि किसानों ने कीटनाशकों का छिड़काव नहीं किया या उर्वरकों का उपयोग नहीं किया, क्योंकि दरें लाभकारी नहीं थीं। इससे कीट और बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया और उत्पादन में गिरावट आई है।

ऐसे में कीमतें गिरने पर किसान टमाटर की कटाई और परिवहन की लागत नहीं निकाल सके। इस कारण किसान अपनी उपज फेंकने या फसल के बीच ट्रैक्टर चलाकर फसल हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले हफ्ते में कीमतें कम हो सकती हैं, क्योंकि कई नई जगहों से फिर से टमाटर की फिर से खेती शुरू होने वाली है।

बायजू सितंबर तक 2021-22 के ऑडिटेड नतीजे घोषित करेगा

नई दिल्ली ।

एडटेक दिग्गज बायजू द्वारा समय पर अपनी आय की जानकारी नहीं देने के कारण कंपनी ने अपना ऑडिटर खो दिया है। अब निवेशकों का विश्वास बनाए रखने के लिए कंपनी ने निवेशकों से कहा है कि वह वर्ष 2022 में हुई आय की जानकारी सितंबर तक फाइल करेगी और वर्ष 2023 के नतीजों की घोषणा दिसंबर तक करेगी।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इससे पहले डेलॉइट ने एक बयान में बताया कि वह मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए अपने लंबे समय से विलंबित वित्तीय विवरणों को लेकर भारत के सबसे सफल स्टार्टअप में से एक बायजू के साथ संबंध तोड़ रहा है।बोर्ड के कुछ सदस्यों ने अचानक से बिना कोई कारण बताए किनारा कर लिया। इनमें पीक एक्सवी पार्टनर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रोसस और चैन जुकरबर्ग इनिशिएटिव के नाम शामिल है। 22 अरब डॉलर की मार्केट कैपिटल और निवेशक जनरल अटलांटिक जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित एडटेक कंपनी बायजू के लिए ये ये इस्तीफे सबसे बड़े संकटों में से एक है। यह प्रकरण एडटेक फर्म के कॉर्पोरेट प्रशासन के बारे में सवाल उठाता है और विदेशी मुद्रा कानूनों के संदिग्ध उल्लंघन पर छापे के कुछ सप्ताह बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, संस्थापक बायजू रवींद्रन और मुख्य वित्तीय अधिकारी अजय गोयल सहित बायजू के नेतृत्व ने शनिवार को कंपनी के वित्तीय मामलों के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए लगभग 75 शेयरधारकों को जानकारी दी। गोयल ने निवेशकों से कहा कि बायजू सितंबर तक भारतीय नियामकों को वर्ष 2021-22 के ऑडिटेड नतीजे और साल के अंत तक 2022-23 की कमाई की जानकारी सौंप देगी।

महाराष्ट्र में गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव, पंजाब में हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को थोड़ी तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.63 डॉलर बढ़कर 69.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.70 डॉलर की तेजी के साथ 74.55 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 1.04 रुपए सस्ता होकर 106.13 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल 1.01 रुपए महंगा होकर 92.65 प्रति लीटर पर मिल रहा है। केरल में भी पेट्रोल-डीजल कुछ सस्ता हुआ है। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 46 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में 19 पैसे का इजाफा दिख रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपए और डीजल 89.52 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.74 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

चालू वित्त वर्ष में भारत का तिलहन निर्यात 10-15 प्रतिशत बढ़ेगा: निर्यातक

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत का तिलहन निर्यात 10-15 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। निर्यातकों ने बताया कि व्यापारियों को दक्षिण पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका से अच्छे ऑर्डर मिल रहे हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में तिलहन निर्यात 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1.33 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 10,900 करोड़ रुपए) था। देश से निर्यात किए जाने वाले मुख्य तिलहन में मूंगफली, तिल, सोयाबीन, अरंडी और सूरजमुखी शामिल हैं। भारतीय तिलहन एवं उपज निर्यात संवर्धन परिषद (आईओपीईपीसी) के ने कहा कि मांग अच्छी हैं और हमें इस साल भी अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। निर्यातकों का कहना है कि रकबा बढ़ने से इस साल पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी और इसका मतलब है कि हम अधिक निर्यात कर सकेंगे। भारत के लिए प्रमुख निर्यातक इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन, मलेशिया, फिलीपींस और यूरोपीय संघ हैं। आईओपीईपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमें 10-15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। कुल तिलहन निर्यात में मूंगफली और तिल की हिस्सेदारी 80-85 फीसदी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बजरंग , साक्षी और विनेश बोले, बृजभूषण के खिलाफ अब अदालत में ही लड़ेंगे

नई दिल्ली । पहलवान बजरंग पुनिया , विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने कहा है कि अब वे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई)) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अदालत में ही लड़ाई लड़ेंगे। बजरंग के अनुसार अब धरना प्रदर्शन नहीं होगा। साथ ही कहा , वादे के अनुसार डब्ल्यूएफआई में सुधार के संबंध में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसलिए हम 11 जुलाई के चुनावों के संबंध में सरकार द्वारा किए गए वादों के पूरा होने का इंतजार करेंगे।÷वहीं विनेश और साक्षी ने ट्वीट किया कि वे कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रहे हैं। इससे पहले रविवार को, गुवहाटी उच्च न्यायालय ने असम कुश्ती संघ की एक याचिका पर 11 जुलाई को होने वाले डब्ल्यूएफआई चुनावों को भी स्थगित कर दिया।

अहमदाबाद में ही खेला जाएगा विश्वकप में भारत-पाक मुकाबला : बीसीसीआई

पीसीबी ने किसी अन्य स्थल पर स्थानांतरित करने मांग की थी

मुम्बई ।

भारत और पाकिस्तान के बीच एकदिवसीय विश्वकप का मुकाबला तय कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद के मैदान पर ही खेला जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसका आयोजन किसी अन्य स्थल पर करने की अपील अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से की थी। आईसीसी ने इस मामले में फैसले का अधिकार मेजबान होने के कारण भारतीय बोर्ड को दिया था। इसी को देखते हुए बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंगलवार 27 जून को एकदिवसीय विश्वकप का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। आईसीसी इवेंट होने के कारण पाक भी इसें भाग लेगा। इस अधिकारी ने कहा कि पीसीबी ने मैच को अहमदाबाद की जगह चेन्नई या बेंगलुरु या कोलकाता में स्थानांतरित करने की बात कही थी पर उसे नहीं माना गया है।

बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान का मुकाबला पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद में ही होगा। यह पूरे टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला है और आईसीसी इसे किसी भी हाल में छोड़ना नहीं चाहती। अगला बड़ा स्टेडियम लखनऊ और कोलकाता में है। मेजबान टीम के पास स्थल तय करने का अधिकार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार टूर्नामेंट के मुकाबले 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेले जाएंगे। इसमें कुल 10 टीमें उतरेंगी। विश्वकप का शुरुआती मुकाबला भी अहमदाबाद में ही खेला जाएगा। भारतीय टीम को पहले मुकाबले में 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है जबकि भारत और पाक का मैच 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारतीय टीम इसमें रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरेगी। भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में अब तक कोई आईसीसी खिताब नहीं जीता है। ऐसे में उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हॉकी टर्फ मैदान का उद्घाटन किया

जालंधर ।

केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने जालंधर के बीएसएफ मुख्यालय में सोमवार को बीएसएफ हॉकी टर्फ मैदान का उद्घाटन किया। खेल मंत्री ने पूजा के बार इस नये टर्फ मैदान का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को उभारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत भारत सरकार ने यह मैदान बनवाया है। खेलों में बात की जाए तो सेना का भी बड़ा योगदान रहा है, जिससे वह मिल्खा सिंह, पान सिंह तोमर और भी ऐसे बहुत सारे खिलाड़ी जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है। सरकार की मंशा है कि ज्यादा से ज्यादा खेलों को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे नौजवान पीढ़ी नशो से दूर रहे। पंजाब को लेकर कहा कि एक समय था जब पंजाब खेलों के लिए जाना चाहता था पर आज नशे की लत बढ़ती जा रही है जिससे हम दूर करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्पेशल ओलंपिक का समापन : भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 202 पदक

बर्लिन । भारतीय टीम ने जर्मनी में संपन्न 2023 स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में 202 पदक जीते हैं। इन खेलों में भारत ने 76 स्वर्ण, 75 रजत और 51 कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने अंतिम दिन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य सहित छह पदक जीते हैं। आंचल गोयल ने 408 मीटर, महिला लेवल बी और रविमति अरुमुगम ने 400 मीटर, महिला लेवल सी ने स्वर्ण जीता। वहीं मिनी जेवलिन (लेवल बी) में रजत जीतने वाले साकेत कुंडू ने पुरुष लेवल बी 400 मीटर में भी कांस्य हासिल किया। स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष, डॉ. मल्लिका नड्डा ने बर्लिन खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर कहा, 'खेल के मैदान में इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन साबित करता है कि वे ताकत, गति, एकाग्रता और अनुशासन दिखाने में सक्षम हैं। इसी सभी लोगों का रवैयार इन खिलाड़ियों के प्रति बदलेगा। बर्लिन खेलों का समापन ब्रैंडेनबर्ग गेट पर एक सभा के साथ हुआ।

भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा ने चेक लेडीज ओपन जीता

यूरोपीय टूर पर दो खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय बनीं

बेरॉन ।

भारत की दीक्षा डागर ने चेक लेडीज ओपन गोल्फ खिताब जीता है। दीक्षा ने खेल के तीसरे और अंतिम दौर में 69 का कार्ड खेल कर चार शॉट के अंतर से जीत दर्ज की। दीक्षा का ये यूरोपीय टूर (एलईटी) पर दूसरा खिताब है। इससे पहले दीक्षा ने साल 2019 में एलईटी का पहला खिताब (इन्वेस्टेक वुमन दक्षिण अफ्रीका ओपन) जीता था। एलईटी में दीक्षा का यह 79वां मुकाबला था। वह अब तक दो बार व्यक्तिगत चैम्पियन रही है और नौ बार शीर्ष 10 में रहीं है। दीक्षा एलईटी टूर पर अदिति अशोक के बाद दीक्षा दो खिताब जीतने वाले दूसरी भारतीय खिलाड़ी है।

तीसरे दौर में पांच शॉट की बढ़त के साथ ही शुरुआत करने वाली 22 साल की इस भारतीय खिलाड़ी ने चार बर्डी के मुकाबले एक बोगी की। उन्होंने इससे पहले शुरुआती दो दौर में 69 और 65 का शानदार स्कोर बनाया था। उन्होंने इस दौरान तीन दौर में कुल 13 बर्डी लगायी थीं। अंतिम दौर में थाईलैंड की त्रिचैट छींगलैब ने नौ अंडर 64 के स्कोर के साथ ही दीक्षा को चुनौती दी पर शुरुआती दो दौर में 73 और 70 के कार्ड के कारण वह दीक्षा के करीब नहीं पहुंच सकी। वह नौ अंडर के स्कोर के साथ दूसरे जबकि फ्रांस की सेलिना हेरबिन (69-72-67) आठ अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। वह इस टूर्नामेंट के 2021 सत्र में चौथे स्थान पर रही थी। इस जीत से पहले मौजूदा सत्र में वह तीन बार शीर्ष 10 में पहुंच गयी हैं। । वहीं एक अन्य भारतीय प्रणवी उर्स तीसरे दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 17वें स्थान पर रही। उनका कुल स्कोर चार अंडर (75-68-69) का रहा जबकि रिद्धिमा दिलावड़ी कट में जगह बनाने में असफल रहीं।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते दिखे धोनी

3 घंटे में 30 लाख से ज़्यादा लोगों ने गेम डाउन लोड किया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी हमेशा ही अलग-अलग अंदाज में नजर आते हैं। हाल ही में एक नये वीडियों में धोनी कैंडी क्रश खेलते दिखे। इसे देखकर उनके प्रशंसक उत्साहित होकर यही खेल खेलने लगे। धोनी फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते दिखे थे। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर कैंडी क्रश ट्रेंड करने लग गई। धोनी अपनी पत्नी के साथ फ्लाइट में ट्रैवल कर रहे थे और तभी एक एयर होस्टेस उन्हें चॉकलेट से भरी हुई ट्रे देती नजर आयी। इसे देख कर धोनी मुस्कुराते हैं और एक चॉकलेट उठा लेते हैं। इसी बीच लोगों की नज़र उनके टैब पर पड़ती है, जिसपर वह कैंडी क्रश खेल रहे थे। धोनी को कैंडी क्रश खेलते देख उनके प्रशंसकों में भी इसे खेलने की होड़ लग गई। धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा भी बढ़ती गई। वहीं कुछ यूज़र्स ने ये भी कहा कि धोनी जो गेम खेल रहे थे, वह कैंडी क्रश नहीं बल्कि पेट रेसक्यू सागा है। वहीं कुछ ने ये भी कहा कि 'अरे वाह! हम भी खेलेंगे कैंडी क्रश '। कैंडी क्रश के टॉप ट्रेंड में आने के बाद, मोबाइल ऐप में करीब 30 लाख नए यूज़र्स जुड़ गए। वहीं कंपनी का दावा है कि धोनी के कारण केवल 3 घंटे में 30 लाख से ज़्यादा लोगों ने गेम को डाउनलोड कर लिया। कैंडी क्रश ने गेम को ट्रेंड कराने के लिए धोनी के प्रति आभार जताया है।

विराट की तरह कप्तानी करें रोहित

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को मैदान पर अधिक सक्रिय होकर कप्तानी करने को कहा है। अकमल के अनुसार रोहित को विराट की जैसी कप्तानी करनी चाहिये। रोहित शर्मा दोनों प्रारूपों में टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि अजिंक्य रहाणे और हार्दिक पंड्या क्रमशः टेस्ट और वनडे में उनके साथ उपकप्तान होंगे। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद टीम से बाहर कर दिया गया। भारत की टीम का विश्लेषण करते हुए पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल ने बड़ा बयान दिया। अकमल ने कहा कि रोहित ने अब तक टेस्ट कप्तान के रूप में अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है पर उन्हें मैदान पर और ज्यादा अपनी उपस्थिति दिखानी होगी। वहीं बल्लेबाज सरफराज खान को टीम में जगह नहीं मिलने पर उठे सवाल पर कामरान ने कहा, हमेशा एक या दो खिलाड़ियों को लेकर बहस होती रहती है। रिकॉर्ड देखने के बाद जो एक खिलाड़ी मेरे दिमाग में आता है, वह सरफराज हैं। खराब फिटनेस के कारण उनका खेलना संभव नहीं था, लेकिन उन्हें टीम के साथ यात्रा करनी चाहिए थी। आप उन्हें अवसर दे सकते थे। कामरान को रोहित को सलाद देते देखकर प्रशंसक हैं। इसका कारण ये है अकमल पाक के सबसे विवादस्पद खिलाड़ी रहे हैं। कई बार आरोपों को देखते हुए उन्हें टीम से बहार कर दिया गया था।

आयरलैंड के खिलाफ जीत के साथ ही श्रीलंका ने अपना अजेय क्रम बनाये रखा

निचले क्रम पर रन नहीं आने से कप्तान शनाका चिन्तित

बुलावायो ।

श्रीलंकाई टीम ने यहां विश्वकप क्रिकेट क्वालीफायर मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ जीत हासिल करने के साथ ही ग्रुप चरण में अपना अजेय क्रम बरकरार रखा। श्रीलंकाई टीम ने इस मैच में आयरलैंड को 133 रनों से हरा दिया। इस जीत पर श्रीलंकाई टीम के कप्तान दासुन शनाका ने खुशी जतायी पर कहा कि उनकी टीम को अंतिम ओवरों में रन बनाना शुरु करना होगा। टीम आयरलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 326 रन बनाने में सफल रही पर अंतिम पांच ओवरों में रन बनाने में एक बार फिर उसके बल्लेबाज नाकाम रहे।

पहले मैच में यूएई के खिलाफ श्रीलंका के निचले क्रम ने ही टीम का स्कोर 355 तक पहुंचाया था पर उस गेम के बाद से ही पिछले दो मैचों में उनका निचला क्रम रन नहीं बना पाया। मैच के बाद शनाका ने कहा, सब कुछ सही दिशा में जा रहा है, पर अंत में हम दोनो अधिक रन बना सकते थे। मेरी और वानिंदु की ओर से पिछले दो मैचों में बड़ी पारी नहीं आई। मुझे इन हालातों में खड़े होना है। वहीं करुणारत्ने पर शनाका ने कहा, जब उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेली तो यह एक अलग संयोजन था और जैसे ही वह आए, वह इसमें बस गए और उन्हें टेस्ट क्रिकेट और घरेलू क्रिकेट खेलने का अनुभव मिला है।

वह शीर्ष क्रम में रहने के लिए एक आदर्श चरित्र है। उन्होंने कहा कि दुष्मंथा चमीरा जैसे खिलाड़ियों के साथ वह कुछ बदलावों पर विचार करने जा रहे हैं।

है। श्रीलंका अपना अगला मैच मंगलवार को क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेगा।

टेस्ट प्रारुप में बड़े खिलाड़ियों की जगह युवाओं को अवसर दें : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि टीम के बड़े खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट से पूरी तरह आराम दे देना चाहिये ताकि युवाओं को अवसर दिया जा सके। भारतीय टीम ने अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए तीन युवा खिलाड़ियों रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल और मुकेश कुमार को टेस्ट प्रारुप में जगह दी है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रवींद्र जड़ेजा को टीम में बनाये रखा है. गावस्कर ने कहा, वेस्टइंडीज दौरा युवाओं को आजमाने का अच्छा अवसर है। इसका कारण ये है कि अब वेस्टइंडीज टीम पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। ऐसे में ये दौरान प्रयोग की नजर से सबसे बेहतर है। गावस्कर ने आगे कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र अब समाप्त हो गया है ऐसे में अब अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान देने की जरुरत है। उन्होंने कहा, डब्ल्यूटीसी चला गया है, हम वहां जीत दर्ज नहीं कर पाये पर अगली बड़ी परीक्षा एकदिवसीय विश्व कप है। मैं पसंद करूंगा कि बड़े खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी दे दी जाए। केवल 50-ओवर प्रारूप को देखें और शायद टी20 को भी क्योंकि यह संक्षिप्त संस्करण है। मैं केवल यही चाहता था कि वे सफेद गेंद वाले क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करें। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों को लाल गेंद क्रिकेट से पूर्ण ब्रेक की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, वे पिछले साल अक्टूबर-नवंबर से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। इस बीच चोट के ब्रेक के अलावा उन्हें लंबा ब्रेक नहीं मिला है। इसलिए उन्हें लाल गेंद वाले क्रिकेट से पूरी तरह छुट्टी मिलनी चाहिये।

पीसीबी के दो सदस्य अदालत पहुंचे, टल सकता है अध्यक्ष का चुनाव

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दो सदस्य अदालत पहुंच गये हैं। इससे नये पीसीबी अध्यक्ष के चुनावों में देरी होना तय नजर आ रहा है। पूर्व प्रबंधन समिति के दो सदस्यों ने लाहौर उच्च न्यायालय में अपील की है। इसमें पीसीबी प्रबंधन समिति के पूर्व सदस्यों शकील शेख और गुल जादा द्वारा जका अशरफ को अध्यक्ष के तौर पर नियुक्त करने वाली चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाये हैं। याचिकाकर्ताओं ने न्यायाधीश से अध्यक्ष के चुनाव पर रोक लगाने और बीओजी को तब तक निलंबित करने का अनुरोध किया है जब तक कि उनकी याचिकाओं पर फैसला नहीं आ जाता है। बोर्ड के एक सूत्र ने कहा, 'यह एक कठिन स्थिति है क्योंकि चुनाव आयुक्त और बोर्ड के निवर्तमान अध्यक्ष ने 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में किए गए बदलावों के बाद नये अध्यक्ष के लिए चुनाव कराने की तारीख 27 जून निर्धारित की है। अशरफ इससे पहले भी साल 2012 में पीसीबी अध्यक्ष बने थे पर तब भी उन्हें इन्हीं हालातों में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना पद छोड़ने का आदेश दिया था। इससे पहले निवर्तमान अध्यक्ष सेठी के चुनावी दौड़ से हटने के बाद प्रधानमंत्री ने पीसीबी की बीओजी में जका अशरफ और मुस्तफा रामदे को अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया था।

बजरंग ने खेलमंत्री को लिखा पत्र साझा कर योगेश्वर पर निशाना साधा

ट्रायल्स में छूट नहीं बल्कि आगे बढ़ाने की मांग की थी

नई दिल्ली ।

पहलवान बजरंग पूनिया ने ट्रायल्स में छूट दिये जाने के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि उन्होंने आगामी एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए कुछ समय मांगा था। बजरंग ने अपनी बात के समर्थन में केन्द्रीय खेलमंत्री को लिखे अपने पत्र को भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। बजरंग ने इस दौरान नाम लिए बिना कहा कि पहलवानों की एकता में दुश्मन सेंध लगाने का प्रयास कर रहा है। माना जा रहा है कि बजरंग का इशारा पहलवान योगेश्वर दत्त पर है। योगेश्वर ने ही सबसे पहले 6 पहलवानों को ट्रायल्स में छूट दिए जाने पर सवाल उठाये थे।

बजरंग ने अपने ट्विटर हैंडल पर खेल मंत्री को लिखी चिट्ठी को साझा करते हुए लिखा है, 'हम आंदोलित पहलवानों ने ट्रायल्स को केवल आगे बढ़ाने के लिए प्रत्र लिख था क्योंकि पिछले 6 महीने से आंदोलन के कारण हम अभ्यास नहीं कर पाये थे। साथ ही कहा कि हम इस मामले की गंभीरता को हम समझते हैं इसलिए यह पत्र आपसे साझा कर रहे हैं। दुश्मन पहलवानों की एकता में सेंध लगाना चाहता है।' गौरतलब है कि योगेश्वर ने हाल में आईओए के तदर्थ पैनल के फैसले पर सवाल उठाए थे कि क्या ये पहलवान इस तरह की छूट हासिल करने के लिए ही विरोध कर रहे थे। उन्होंने जूनियर पहलवानों, उनके कोचों और अभिभावकों से इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने को भी कहा था। इसके बाद बजरंग के अलावा महिला पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगाट भी सोशल मीडिया पर आये और उन्होंने कहा कि कभी ट्रायल्स में छूट की मांग नहीं की थी। बजरंग ने जो पत्र साझा किया है उसमें आंदोलनकारी पहलवानों ने खेलमंत्री से अपील की है कि आंदोलन में शामिल कुछ पहलवानों को एशियाई खेलों 2023 और विश्व चैंपियनशिप 2023 की ट्रायल्स की तैयारी के लिए कुछ समय की जरुरत है इनमें सत्यव्रत कादियान, जितेंद्र कुमार व संगीता फोगाट के नाम भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ट्रायल्स 10 अगस्त के बाद ही करायें।

रिंकू को वेस्टइंडीज दौरे के लिए टी20 टीम में मिल सकती है जगह

मुंबई । आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह को वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया जा सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रिंकू को आईपीएल 2023 में उनके धमाकेदार प्रदर्शन को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में मौका मिल सकता है। उत्तर प्रदेश और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल में काफी रन बनाये थे उन्होंने एक मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार पांच छक्के भी लगाये थे। इसी कारण उनको पांच मैचों की टी20आई सीरीज के लिए चुना जाना तय है। वेस्टइंडीज और यूके के खिलाफ ये सीरीज 3 अगस्त को तारौबा, त्रिनिदाद और टोबैगो में शुरू होगी। रिंकू ने आईपीएल 2023 में 14 मैचों में 59.25 की औसत और 149.52 के स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए थे। वहीं बीसीसीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को वेस्टइंडीज में दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर नहीं किया गया है बल्कि वह हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उमेश हैमस्ट्रिंग चोट से पीड़ित हैं और अभी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में ठीक हो रहे हैं। इससे पहले कहा था रहा था कि उमेश को इस महीने की शुरुआत में ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खराब प्रदर्शन के कारण बाहर कर दिया गया था।

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारत्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 12.7 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

अमेरिका-भारत की दोस्ती दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण : बाइडेन

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाई-प्रोफाइल यात्रा को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नई दिल्ली-वाशिंगटन की दोस्ती को दुनिया में सबसे परिणामी के रूप में वर्गीकृत किया। अपने आधिकारिक हैंडल से एक ट्वीट में उन्होंने कहा ?कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच की दोस्ती दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण है। और यह पहले से कहीं अधिक मजबूत, करीब और अधिक गतिशील है। बाइडेन ने अपने ट्वीट में मोदी की यात्रा की झलक दिखाने वाला एक वीडियो भी साझा किया। मोदी चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा 21-24 जून पर थे, इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया, विचारकों और व्यापारिक दिग्गजों से मुलाकात की और अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। मोदी को एक निजी रात्रिभोज और फिर राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा एक राजकीय रात्रिभोज और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन की मेजबानी भी दी गई। यह मोदी की अमेरिका की नौवीं यात्रा थी, लेकिन पहली राजकीय यात्रा थी, जिसमें उच्च स्तर की धूमधाम और परिस्थितियां शामिल थीं, जैसे कि 21 तोपों की सलामी और राजकीय रात्रिभोज से स्वागत।

चीन में मनाते हैं डॉग मीट फेस्टिवल, कुत्तों को मारकर बेचते हैं मार्केट में

यूलिन। इंसान द्वारा जानवरों पर अत्याचार का एक बेहद क्रूर और खतरनाक तरीका चीन में हो रहा है। जहां इन दिनों डॉग मीट फेस्टिवल चल रहा है। यहां कुत्तों पर इतने अत्याचार करते हैं, कि इनकी आबादी भी खत्म होने लगी है। इसी अत्याचार का एक नमूना चीन में देखने को मिलता है जहां कुत्तों से जुड़ा एक मीट फेस्टिवल मनाया जा रहा है। इस त्योहार में कुत्तों को बुरी तरह से प्रताड़ित किया जाता है और फिर उन्हें जिंदा जलाकर मार्केट में बेच दिया जाता है। इन दिनों ये फेस्टिवल चल रहा है। जानकारी के अनुसार इस साल चीन के यूलिन में होने वाला डॉग मीट फेस्टिवल 21 जून से 1 जुलाई तक चलेगा। ऐसे में कुत्तों पर होने वाले अत्याचार का नमूना लोगों को देखने को मिल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट हाल ही में एक अवैध मीट मार्केट में घुसे, जहां कुत्तों को जलाकर, फ्राई कर मार्केट में बेचा जाता है। यहां का नजारा भयानक था और एक्टिविस्ट ने करीब 19 कुत्तों की जान भी बचाई है। मार्केट की तस्वीरें इतनी भयानक हैं कि देखना मुश्किल है। रिपोर्ट के मुताबिक इस मार्केट में डॉग मीट खाने वाले लोगों की भीड़ नजर आ रही है, और बड़ी संख्या में कुत्ते वहां मरे पड़े हैं। यहां पर सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों से लेकर दूसरों के पालतू कुत्तों को जबरदस्ती अगवा किया जाता है और यहां मार्केट में लाकर मौत के घाट उतार दिया जाता है। इसके बाद इन्हें यहां बेच दिया जाता है। इन मार्केट में कुत्तों के रोएं उतारने के लिए बाकायदा मशीन लगी हुई है। कुत्तों को मुख्य शहर से पकड़कर गाड़ियों के रास्ते, शहरों के बाहर बने स्लॉटरहाउस में लाया जाता है। जिस स्लॉटरहाउस में एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट्स ने हाल ही में प्रवेश किया, उनका दावा है कि ये सबसे बुरा बूचड़खाना है। एनिमल ग्रुप वीशाइन के कार्यकर्ता टेंग ने ह्यूमन इंटरनेशनल सोसाइटी को बताया कि बूचड़खाने में जानवर बेहद डरे हुए नजर आ रहे थे और खून-मांस की बदबू से पूरा इलाका महक रहा था। कुत्तों ने जब बचाव कर्मियों को देखा, तो तुरंत अपने पिंजड़े पर हाथ-पैर मारने लगे।

पाकिस्तानी संसद ने सांसदों को अयोग्य ठहराए जाने की अवधि सीमित की, नवाज शरीफ को हो सकता है लाभ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने सांसदों की अयोग्यता की अवधि को आजीवन की जगह पांच साल तक सीमित करने वाला एक विधेयक रविवार को पारित किया। इससे संभवत: इस साल होने वाले आम चुनाव में नवाज शरीफ के सक्रिय राजनीति में लौटने का रास्ता साफ हो सकता है और वह लंदन से वापस स्वदेश आ सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2017 में नवाज शरीफ (73) को प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराया था। वर्ष 2018 में 'पनामा पेपर्स' मामले में उच्चतम न्यायालय ने नवाज को आजीवन सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य ठहराया था। चुनाव (संशोधन) विधेयक 2023 का उद्देश्य सांसदों को अयोग्यता की अवधि को कम करने के अलावा पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) को राष्ट्रपति से परामर्श किए बिना चुनाव तारीखों की घोषणा करने का अधिकार देना भी है। इस विधेयक को उच्च सदन सीनेट ने 16 जून को पहले ही मंजूरी दे दी थी। कानून बनने के लिए विधेयक को राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित किया जाना है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित राष्ट्रपति आरिफ अल्वी हज करने के लिए देश से बाहर हैं, इसलिए सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला है और संभवत: वह बिना समय बर्बाद किए विधेयक का अनुमोदन करेंगे। माना जा रहा है कि कानून बनने के बाद शरीफ की आजीवन अयोग्यता समाप्त हो जाएगी, जिससे उनके देश लौटने और अक्टूबर में संभावित आम चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में फिर से शामिल होने का रास्ता साफ हो जाएगा। हालांकि, सक्रिय राजनीति में आने से पहले शरीफ को अब भी भ्रष्टाचार के दो मामलों में उनके खिलाफ दिये गए फैसले पलटवाने होंगे।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में मानसून-पूर्व बारिश के बीच अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने की घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिजली गिरने की घटनाएं मुख्यत: पंजाब प्रांत के सियालकोट और शेखुपुरा जिलों से सामने आईं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने कहा कि इस हफ्ते और बारिश होने का अनुमान है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से कुछ राहत नसीब होगी। हालांकि, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आगाह किया है कि देश में जारी भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ सकती है। पाकिस्तान में पिछले साल भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से कम से कम 1,739 लोगों की मौत हो गई थी, लगभग 80 लाख लोग विस्थापित हो गए थे और करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा था।

वारंट लिया वापस, प्रिगोझिन व उनके लड़ाकों पर रूस नहीं चलाएगा अभियोग

मॉस्को। रूस प्रिगोझिन व उनके लड़ाकों पर कोई अभियोग नहीं चलाएगा। रूस ने उनके खिलाफ जारी वारंट को निरस्त कर दिया है। गौरतलब है कि यूक्रेन से जारी युद्ध के बीच रूस के वैगनर समूह के प्रमुख ने रूसी रक्षा मंत्रालय के खिलाफ बगावत कर दी है। इस बगावत को देखते हुए रूसी रक्षा मंत्रालय ने वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसी बीच रूस ने कहा कि निजी सेना 'वैग्नर ग्रुप' के प्रमुख येवगेनी प्रीगोझिन और उनके लड़ाकों पर कोई अभियोग नहीं चलाया जाएगा। रूस के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का ऐलान करने वाले प्रीगोझिन ने अपने लड़ाकों को रूस की राजधानी मॉस्को की तरफ कूच करने का आदेश दिया था। हालांकि, बाद में उन्होंने लड़ाकों से अचानक रास्ता बदलने को कहा, जिसके बाद वे पड़ोसी देश बेलारूस जाएंगे। 'वैग्नर' प्रमुख ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने अपने लड़ाकों को मॉस्को की तरफ न बढ़ने और यूक्रेन में अपने आधार शिविरों में लौटने का आदेश दिया है, ताकि रूसी नागरिकों का खून न बहे। गौरतलब है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दो दशक से अधिक समय के कार्यकाल में यह उनके समक्ष पेश आई सबसे बड़ी चुनौती है। क्रेमलिन (रूस का राष्ट्रपति भवन) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने घोषणा की कि प्रीगोझिन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह भड़काने के आरोप हटा दिए जाएंगे और उनके साथ शामिल होने वाले लड़ाकों पर भी कोई मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। पेसकोव ने यह भी कहा कि 'वैग्नर' समूह के जिन लड़ाके ने विद्रोह में प्रीगोझिन का साथ दिया, उन्हें रक्षा मंत्रालय की ओर से अनुबंध की पेशकश की जाएगी। इससे पहले, पुतिन ने टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम दिए संबोधन में 'वैग्नर ग्रुप' द्वारा सशस्त्र विद्रोह के ऐलान को विश्वासघात और राजद्रोह करार दिया था। पेसकोव ने प्रीगोझिन और उनके लड़ाकों को स्वतंत्र रूप से जाने की अनुमति देते हुए कहा कि पुतिन का सबसे बड़ा मकसद उस रक्तपात एवं आंतरिक टकराव से बचना है, जिसके अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं।

कनाडा में वेंकवूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बोइंग जेट को खींचते हुए लोग। इससे मिलने वाली राशि को विकासशील देशों में आंखों की चिकित्सा के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

लंबी गर्दन, नुकीले दांत, समुद्र में राज करता था ये राक्षस, न्यूजीलैंड में मिला 8 करोड़ साल पुराना जीवाश्म

न्यूज़ीलैंड में आए चक्रवात से 80 मिलियन वर्ष पहले रहने वाले विशाल समुद्री सरीसृपों के जीवाश्म मिले हैं। फरवरी के चक्रवात गैब्रिएल ने न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के माउंगटानिवा नेटिव फॉरेस्ट को हिट किया था। जिसकी वजह से पहाड़ी जलमार्ग से आसपास की चट्टानें और बोल्डर उखड़ गए थे। जीवाश्म विज्ञानियों का मानना ??है कि दो नए पाए गए जीवाश्म जो पहली बार मार्च में खोजे गए थे लेकिन अभी घोषित किए गए हैं, एलास्मोसॉरस से संबंधित हो सकते है।

एलास्मोसॉरस नाम के जीव का जीवाश्म

विशाल, लंबी गर्दन वाले समुद्री सरीसृप जो लगभग 45 फीट (14 मीटर) लंबे हो सकते हैं। टीम को एक और जीवाश्म कशेरुक भी मिला जो मोसासौर से आया हो सकता है। एक विशाल समुद्री सरीसृप जो डायनासोर युग में एक शीर्ष समुद्री शिकारी था। मोसासौर के जीवाश्म पहले भी न्यूजीलैंड में पाए गए हैं। जीवाश्म दांत और आंशिक जबड़े की खोज 2015 में मंगाहौंगा स्ट्रीम में की गई थी। जीवाश्मों की खोज फ़ॉरेस्ट लाइफ़फ़ोर्स रेस्टोरेशन ट्रस्ट के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा की गई थी, जो न्यूज़ीलैंड के मूल वनस्पतियों और जीवों की रक्षा के लिए एक संरक्षण के लिए की गई पहल है।

ट्रंप को पछाड़ना रिपब्लिकन दावेदारों के लिए है बहुत ही मुश्किल,

तमाम विवादों के बावजूद ताजा सर्वे में सभी पर बनाई मजबूत बढ़त

काहिरा (एजेंसी)। अमेरिका में साल 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने के लिए अब तक कई उम्मीदवार आ चुके हैं, लेकिन अनुमान है कि मुख्य मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप और रॉन डिसैंटिंस के बीच होगा। वहीं राष्ट्रीय एनबीसी न्यूज पोल के अनुसार, 2024 जीओपी राष्ट्रपति पद के नामांकन की रेस में रिपब्लिकन प्राइमरी वोटर्स के बीच डोनाल्ड ट्रंप को अपने प्रतिद्वंद्वी रॉन डेसेंटिस पर 29 अंकों की बढ़त मिली है। 51त्न मतदाताओं ने राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन प्राइमरी के लिए ट्रम्प को अपनी पहली पसंद के रूप में चुना है, जबकि केवल 22त्न ने डेसेंटिस को चुना है। सर्वेक्षण में 7प्र. ने माइक पेंस को चुना, 4प्र. ने निक्की हेली को चुना और बाकी

प्रतिशत अन्य उम्मीदवारों के पास गया।

बता दें कि ये वोटिंग 16 जून से 20 जून के बीच में हुई। ये वो वक्त था जब एक संघीय ग्रैंड जूरी ने ट्रंप को 2022 में उनके मार-ए-लागो निवास पर खोजे गए गुप्त दस्तावेजों के दुरुपयोग के लिए आपराधिक आरोपों पर दोषी ठहराया था। अमेरिकी इतिहास में पहली बार हुआ कि एक पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराया गया है। पब्लिक ओपिनियन स्ट्रैटेजीज़ के रिपब्लिकन पोलस्टर बिल मैकइंटर्फ ने कहा कि हमें इस सर्वेक्षण में कोई मार्कर नहीं मिला है कि इसका उनकी स्थिति पर प्रभाव पड़ा है।

रिपब्लिकन मतदाता न केवल वे संघीय अभियोग के बाद ट्रम्प के साथ खड़े हुए हैं। ऐसे कई संकेत हैं कि उनका समर्थन बढ़ रहा है या अन्य लोग, विशेष रूप से रॉन डेसेंटिस आधार खो रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि अप्रैल 2023 में एनबीसी के इसी तरह के सर्वेक्षण में ट्रम्प 46प्र. पर थे, जबकि डेसेंटिस 31प्र. पर थे, उनके बीच का अंतर 15-अंक था।

हाजी सलीम को बताया जा रहा पाकिस्तान का नया दाऊद इब्राहिम

-हिंद महासागर में दाऊद के नेटवर्क को संभालने में जुटा, आईएसआई से कनेक्शन

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में नया दाऊद इब्राहिम तैयार हो गया है। हाजी सलीम के नाम को रविवार से ही यहां खूब चर्चा में लिया जा रहा है। हाजी सलीम के बारे में भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान की आईएसआई से उसका कनेक्शन है, वह इस समय खत्म हो चुके संगठन लिब्रेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम को फिर से जिंदा करने की कोशिशों में लग गया है। एक खास बात यह है कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ उसका गहरा कनेक्शन होना बताया जा रहा है। खुफिया जानकारी के मुताबिक कराची में रहने वाला यह गैंगस्टर इस समय डॉन के लिए काम कर रहा है। वह डॉन के कई अरब वाले ड्रग्स नेटवर्क का मास्टरमाइंड है और इसे संभाल रहा है। इस समय हाजी सलीम हिंद महासागर में दाऊद के नेटवर्क को संभाल रहा है। कराची के इस गैंगस्टर को कई बार दाऊद के क्लिफटन रोड वाले घर पर देखा गया है। कहा जा रहा है ड्रग्स के धंधे और इसकी स्मगलिंग के लिए दोनों ही एक-दूसरे के नेटवर्क का प्रयोग करते हैं। सूत्र बताते हैं कि हाजी को पाकिस्तान की इंटेलीजेंस एजेंसी आईएसआई का भी भारी समर्थन हासिल है। हाजी जिस लिट्टे को फिर से जिंदा करने की कोशिशों में लगा है, साल 2009 में श्रीलंका की मिलिट्री ने उस संगठन को खत्म हुआ घोषित कर दिया था। सुरक्षा विशेषज्ञों की मानें तो भले ही सन् 1990 के दशक के अंत में भारतीय एजेंसियों ने डी-कंपनी के नेटवर्क को खत्म कर दिया था, लेकिन यह संभव है कि उसके पुराने संपर्क सलीम के गुर्गों के साथ बने हुए हों। एक बात और यह है कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद समुद्री और भूमि मार्ग के माध्यम से नशीली दवाओं का व्यापार बढ़ गया है।

ड्रग्स मामले में भारतीय मूल की महिला को हुई सात साल की जेल

-ब्रिटेन में नाबालिगों से नशीले पदार्थों की तस्करी कराने का लगा आरोप

लंदन (एजेंसी)। भारतीय मूल की एक महिला को ब्रिटेन में जेल हुई है। उस पर ड्रग्स की आपूर्ति के लिए बच्चों को शिकार बनाने वाले गिरोह का हिस्सा होने का आरोप है। इसके बदले कोर्ट ने उसे सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने यह जानकारी दी। 28 वर्षीय सरीना दुग्गल, जिसका कोई निश्चित पता नहीं है, को सात सप्ताह की सुनवाई के बाद क्लास ए ड्रग्स की आपूर्ति का दोषी पाए जाने के बाद पिछले हफ्ते बोर्नमाउथ क्राउन कोर्ट में पांच अन्य लोगों के साथ दोषी ठहराया गया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि ड्रग्स की आपूर्ति लंदन और बर्मिंघम में और उसके आसपास बोर्नमाउथ में की गई। दुग्गल और गिरोह ने बोर्नमाउथ में उपयोगकर्ताओं को क्लास ए ड्रग्स - क्रैक कोकीन और हेरोइन की आपूर्ति करने के लिए गरीब बच्चों का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने इस मामले में बताया कि उसने पिछले साल एक जांच शुरू की थी, जब फर्नबोरो के 16 एक वर्षीय लड़के को बड़ी मात्रा में क्रैक कोकीन और हेरोइन रखने के आरोप में बोर्नमाउथ में गिरफ्तार किया गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। जांचकर्ताओं ने मोबाइल फोन का परीक्षण किया। उन्होंने बोर्नमाउथ के भीतर एक होटल में सीसीटीवी को भी खंगाला। जिसमें दुग्गल के साथ, चार अन्य की आरोपियों के रूप में पहचान की गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक संभ्रांत परिवार से ताल्लुक रखने वाली दुग्गल अपने पति और गैंग के सरगना एडम शेख से मिलने से पहले वह कानून का अध्ययन करना चाहती थी। उसे 12 साल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश फुलर केसी ने दुग्गल को जेल की सजा सुनाने से पहले कहा, वकील बनने का आपका आशापूर्ण करियर अब स्पष्ट रूप से नष्ट हो गया है। आपने ड्रग डीलर बनने का फैसला करके एक आशाजनक भविष्य को बर्बाद कर दिया है। बोर्नमाउथ क्राउन कोर्ट द्वारा सभी छह डीलरों को कुल मिलाकर 39 साल और छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई। जबकि किशोरों पर मुकदमा नहीं चलाकर उन्हें बाल सेवाओं के लिए भेजा गया।

'वैगनर' ने कर दी पुतिन की कमजोरियां उजागर, यूक्रेन को उबरने का मिला मौका

मॉस्को (एजेंसी)। वैगनर के विद्रोह समाप्ति के बाद भी रूस की परेशानियां कम नहीं हुई हैं। इससे पुतिन की कमजोरियां उजागर हो गई हैं। वहीं यूक्रेन को युद्ध की विभीषिका से उबरने का मौका मिला है। जानकार बता रहे हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की परेशानी अभी पूरी तरह से कम नहीं हुई है। रूस के खिलाफ बगावत करने वाले निजी सैन्य समूह 'वैगनर' ने भले ही अपना विद्रोह खत्म कर दिया हो, लेकिन इसने रूस की कमजोरियों को जगजाहिर कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में दो दशक से अधिक के कार्यकाल को सबसे बड़ी चुनौती देते हुए 'वैगनर ग्रुप' के प्रमुख येवगेनी प्रीगोझिन ने गत सप्ताहांत अपने लड़ाकों को मॉस्को की तरफ कूच करने का आदेश दिया था। हालांकि प्रीगोझिन ने अचानक क्रेमलिन के साथ समझौता कर पीछे हटने और बेलारूस जाने की घोषणा कर दी थी। हालां?कि अब प्रीगोझिन को बेलारूस में निर्वासन में रहना होगा। यह एक ऐसा देश है जहां बागी तेवर उनके अपने वतन (रूस) से भी ज्यादा अस्वीकार्य हैं।

फिलहाल यह नहीं कह सकते हैं कि रूस में हालात सामान्य हो गए हैं, क्योंकि बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने यह समझौता कराया है और उन्होंने ही इस संबंध में मामूली जानकारी दी। पुतिन तथा प्रीगोझिन या रूस के शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने इस

संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे साफ जाहिर है कि कभी भी संटत उभर सकता है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वीकेंड की घटनाओं को 'असाधारण' करार दिया और कहा कि 16 महीने पहले पुतिन यूक्रेन की राजधानी पर कब्जा करने को तैयार थे और अब उन्हें उस व्यक्ति के नेतृत्व वाली सेनाओं से मॉस्को की रक्षा करनी पड़ रही है, जो कभी उनका शिष्य था।

ब्लिंकन ने एक चैनल से बातचीत में कहा कि मुझे लगता है कि हमने रूस की दीवार में और अधिक दरारें उभरती देखी हैं।' उन्होंने कहा, अभी यह बताना जल्दबाजी होगी कि आगे की दशा और दिशा क्या होगी, लेकिन निश्चित रूप से हमारे पास कई सवाल हैं, जिन्हें आने वाले हफ्तों या महीनों में पुतिन को सुलझाना होगा। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि 24 घंटे के विद्रोह का यूक्रेन में युद्ध पर कोई असर होगा या नहीं। हालांकि, इसके परिणामस्वरूप रूस के लिए लड़ने वाली कुछ ताकतें युद्ध के मैदान से जरूर हट गई हैं। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रविवार को उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को फोन पर बातचीत के दौरान बताया कि रूस में वापस लिये जा चुके इस विद्रोह ने 'पुतिन के शासन की कमजोरियों को उजागर किया है।

पाकिस्तान ने एलओसी पर तैनात की परमाणु बम दागने वाली तोप

– भारतीय सीमा पर चीन ने चली चाल, महातबाही का हथियार कराया उपलब्ध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और चीन ने मिलकर भारत के खिलाफ बेहद खतरनाक चाल चली है। एलओसी पर परमाणु बम दागने वाली एसएच-15 की तैनाती कर दी है। इस तरह से चीन न केवल पाकिस्तान के अंदर भारतीय सीमा पर बंकर बनाने में मदद कर रहा है बल्कि घातक ड्रोन, कम्युनिकेशन टॉवर और अंडरग्राउंड केबल बिछा रहा है। पाकिस्तान को परमाणु बम के गोले दागने में सक्षम तोप देने में चीन का हाथ है। पाकिस्तान ने इसे भारत से लगती एलओसी पर तैनात भी कर दिया है। इस तोप का नाम एसएच-15 है और इसे चीन की कुख्यात हथियार बनाने वाली कंपनी नोरिंको ने बनाया है। चीन ने इसे भारतीय सीमा पर भी तैनात किया है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान से लगती एलएसी पर अब जगह- जगह एसएच-15 चीनी तोप दिखाई देने लगी है। इससे पहले पिछले साल पाकिस्तान डे पर इस तोप का प्रदर्शन किया गया था। यह 155 मिलीमीटर की तोप ट्रक पर लदी होती है तथा दागो और भाग जाओ की रणनीति पर काम करती है। पाकिस्तान ने चीन की कंपनी से 236 ऐसी तोप लेने का समझौता किया है। पाकिस्तान को इन तोप के दो बैच अब तक मिल चुके हैं और अब वह इनकी एलएसी पर हर जगह तैनाती कर रहा है।

चीन की तोप पीसीएल-181 का एक्सपोर्ट वेरिएंट एसएच-15 बताया जा रहा है। पाकिस्तान ने भारत की के9 वज्र तोप का जवाब देने के लिए इसे चीन से खरीदा है। गत 23 मार्च को पाकिस्तान ने इस चीनी तोप का इस्लामाबाद में आयोजित परेड में प्रदर्शन किया था। इस तोप का वजन 22 टन है और सड़क पर यह 90 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से ले जाई जा सकती है। इसमें डिजिटल फायर कंट्रोल सिस्टम लगा हुआ है। साथ ही सेमी ऑटोमेटिक लोडर सिस्टम लगा हुआ है जिससे तोप के अंदर गोले लोड करने में बहुत कम समय लगता है। चीनी कंपनी का दावा है कि इस तोप को पहाड़ों पर तैनात किया जा सकता है।

इसे बनाने वाली कंपनी नोरिंको के मुताबिक यह तोप एसएच-15 एक मिनट में 4 से 6 गोले दाग सकती है। इस घातक तोप की मारक क्षमता 53 किमी है। भारत की के9 वज्र तोप को दक्षिण कोरिया ने बनाया है जो इसी तरह की घातक मारक क्षमता से लैस है। भारत ने सैकड़ों की तादाद में इस के9 वज्र तोप को पाकिस्तान की सीमा से लेकर चीन की सीमा तक तैनात किया है। इसी से घबराकर पाकिस्तान ने अब एसएच-15 तोप खरीदी है।

चीन की तोप में सबसे खतरनाक ताकत परमाणु बम से लैस तोप के गोले दागने की है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान अगर चाहे तो एसएच-15 तोप की मदद से पाकिस्तान

छोटे परमाणु बम भारत की सीमा में दाग सकता है। हालांकि पाकिस्तान को इसके लिए छोटे परमाणु बम बनाना होगा जिसके प्रयास वह काफी लंबे समय से कर रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पाकिस्तान इस परमाणु बम को तोप के गोले के अंदर डालने में सफलता हासिल कर लेता है तो वह एसएच-15 तोप की मदद से इसे भारतीय सीमा में दाग सकता है। चीन ने इस तोप को बड़ी तादाद में भारतीय सीमा पर तैनात किया हुआ है। भारतीय विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अपनी सीपीईसी परियोजना को पीओके से ले जा रहा है और इसी वजह से उसे भारतीय हमले का डर हो सकता है। पीओके से चीनी परियोजना का भारत कड़ा विरोध करता रहा है।

क्रांति समय

मंगलवार,27-जून-2023

देश

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय रक्षामंत्री ने स्वीकारा...चीन के साथ हमारे कुछ मतभेद

जम्मू(एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू में कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा था और हमेशा से रहेगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पुलवामा हमला हुआ तब मैं उस वक्त गृह मंत्री था, मैंने अपने जवानों के ताबूत कंधे पर उठाए हैं। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का रट लगाता रहता है लेकिन उससे कोई फायदा नहीं होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने यह स्वीकार किया कि चीन के साथ हमारे कुछ मतभेद हैं।

जब हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करते हैं, तब सबसे पहले बात सीमाओं की सुरक्षा आती है, क्योंकि यदि सीमाएं सुरक्षित नहीं होंगी तब राष्ट्र भी सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 75 सालों में जमीन और समुद्री सीमाएँ पर हमें बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मगर हमारी सेनाओं और सुरक्षा बलों ने, मिलकर, हर चुनौती का न केवल डटकर सामना किया है बल्कि उन पर विजय भी हासिल की है। उन्होंने कहा कि जब से भारत आजाद हुआ है, कई भारत विरोधी ताकतों की यह लगातार कोशिश रही है कि या तब सीमाओं पर, या फिर सीमाओं के रास्ते से भारत के भीतर अस्थिरता का माहौल बनाया जाए। पाकिस्तान की जमीन से इसके लिए बड़े पैमाने पर लगातार कोशिश की गई है।

राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की और पहली बार देश ही नहीं दुनिया ने जाना की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के मतलब क्या होता है। आतंकवाद का पूरे का पूरा नेटवर्क यहां जम्मू और कश्मीर में दशकों से काम कर रहा था। आज उस नेटवर्क को काफी हद तक कमजोर करके उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में है। वहां के लोग देख रहे है कि इस तरफ लोग अमन और चैन के साथ अपनी जिंदगी बिता रहे है। वहां जब पाकिस्तान की सरकार द्वारा उन पर जुल्म किया जाता है, तब हमें तकलीफ होती है। उन्होंने कहा कि पीओके पर सिर्फ गैर कानूनी कब्जा कर लेने से पाकिस्तान की कोई सुने जाने का अधिकार नहीं बनती है। भारत की संसद में पीओके को लेकर एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित है कि वह भारत का ही हिस्सा है। इस मंशा के एक नहीं कम से कई प्रस्ताव संसद में अब पारित हो चुके है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि गलवान की उस घटना को तीन वर्ष बीत चुके है मगर जिस शौर्य, पराक्रम और साथ में संयम का परिचय भारतीय सेना ने दिया है वह देश कभी भूल नही सकता और आने वाली पीढ़ियां भी उन जांबाज सैनिकों पर गर्व करेंगी।

एनआईए का खुलासा, बिहार में नक्सली संगठन फिर से खुद को मजबूत करने में जुटे

नई दिल्ली ।बिहार में नक्सली संगठन फिर से खुद को मजबूत करने की कोशिश में लगे हैं। एनआईए ने इसी कड़ी में मगध क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) को फिर से खड़ा करने के प्रयासों के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आनंदी पासवान (46) के खिलाफ बिहार के विभिन्न थानों में पांच से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि निरखपुर गांव के रहने वाले पासवान के परिसरों पर पिछले साल 12 फरवरी को छापे मारे गए थे और अवैध हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया गया। यह मामला 2021 में दर्ज हुआ था और तब से इसमें पासवान सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामला मगध क्षेत्र में भाकपा (माओवादी) के कैडर और जमीनी कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू) द्वारा संयुक्त रूप से संचालित आतंकवाद वित्तपोषण नेटवर्क से जुड़ा है। यूं समझिए कि बिहार में नक्सली रिवाइवल प्लान यानि खुद को फिर से जिंदा करने की कोशिश में लगे हुए हैं। एनआईए ने इसके पहले तरुण कुमार, प्रद्युम्न शर्मा और अभिनव उर्फ गौरव को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने मामले में 20 जनवरी को दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए प्रवक्ता ने कहा, 'अब तक हुई एनआईए की जांच में सामने आया है कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन भाकपा (माओवादी) मगध क्षेत्र में खुद को फिर से खड़ा करने के लिए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के वास्ते धन जमा करने की और अपनी आपराधिक तथा हिंसक सोच को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा था।' उन्होंने कहा, 'वे लोग इस क्षेत्र में फिर से अपने संगठन को खड़ा करने और नक्सली गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने के लिए विभिन्न जेलों में बंद नक्सलियों तथा ओडब्ल्यूजी के साथ संपर्क में थे।'

मध्य प्रदेश के आठ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट : आईएमडी

भोपाल। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मध्य प्रदेश के आठ जिलों में अगले 24 घंटों में भारी और बहुत भारी बारिश के अनुमान के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट और 22 जिलों में मूसलाधार बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में अगले 24 घंटों में (सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे से मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक) कहीं-कहीं पर अत्यधिक बारिश (205.4 मिलीमीटर से अधिक) एवं गरज के साथ बारिश होने की संभावना है और इसके मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, आईएमडी ने प्रदेश के सात जिलों बुरहानपुर, सागर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में अगले 24 घंटों में (सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे से मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक) कहीं-कहीं पर बहुत भारी बारिश (115.6 मिलीमीटर से 204.4 मिलीमीटर तक) एवं बिजली गिरने के अनुमान के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने इस दौरान भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर सहित राज्य के 22 जिलों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा (64.5 मिलीमीटर से 115.6 मिलीमीटर तक) को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे मध्य प्रदेश में पहुंच चुका है। विभाग ने चेतावनी दी है कि मानसूनी गतिविधियों के कारण राज्य में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की घटनाओं में भी वृद्धि हो सकती है। आईएमडी के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान (रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक) प्रदेश के भोपाल, जबलपुर एवं शहडोल संभागों के जिलों में अधिकांश स्थानों पर, उज्जैन, नर्मदापुरम, चंबल, ग्वालियर एवं सागर संभागों के जिलों में अनेक स्थानों पर, रीवा संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर और इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं पर वर्षा हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में (रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक) मध्य प्रदेश के बैतूल में 12 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि जावरा, बमोरी, पाली, पठारी एवं पोरसा में नौ-नौ सेंटीमीटर और पिपरिया, गैरतगांग, बैरागढ़, नौरोजाबाद, गाडरवारा, जयसिंहनगर एवं माडा में आठ-आठ सेंटीमीटर वर्षा हुई है।

दिल्ली, मुंबई में 62 साल बाद मॉनसून ने एक साथ दस्तक दी

नई दिल्ली ।दिल्ली और मुंबई में 62 साल बाद मॉनसून ने एक साथ दस्तक दी। इससे पहले 21 जून 1961 को मॉनसून इन दोनों शहरों में एक साथ पहुंचा था। तब पहली बार ऐसा हुआ था। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मॉनसून पहुंचने की तारीख 27 जून है और इस तरह यह दो दिन पहले दिल्ली पहुंचा है। वहीं मुंबई में यह करीब दो सप्ताह देरी से आया। रविवार को मॉनसून ने महाराष्ट्र के बचे हिस्सों, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा के कुछ हिस्सों, उत्तराखंड के ज्यादातर हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों में दस्तक दे दी। दो दिन में यह गुजरात के कुछ हिस्सों, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर के बचे हिस्सों पर छा सकता है। मॉनसून की पहली बारिश में गुड़गांव में कई जगहों पर जलभराव से लोग परेशान हुए। ?फरीदाबाद में भी प्रमुख सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम रहा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी कई तरह की दिक्कतें हुईं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बार मॉनसून की चाल काफी असामान्य रही है। मॉनसून जहां मध्य भारत में दो हफ्ते देरी से चल रहा है। वहीं, उत्तर भारत में काफी पहले छा चुका था। मौसम विभाग ने बताया कि शुरुआती दिनों में अरब सागर में उठे बिपरजॉय तूफान ने मॉनसून पर असर डाला। इसकी वजह से यह रुका रहा।

अमरनाथ के लिए 1 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

श्रीनगर ।दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा अमरनाथ के लिए 1 जुलाई से यात्रा शुरू हो रही है, जो 31 अगस्त को खत्म होगी। अमरनाथ गुफा मंदिर का दर्शन करने के लिए यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले 30 जून को तीर्थयात्रियों का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा। इसी अमरनाथ गुफा से बाबा बर्फानी की नई तस्वीर सामने आई है। बाबा बर्फानी का आकार पहले से काफी बड़ा हुआ है। वहीं भक्तों को भी यात्रा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक एसएल थाउसेन ने आगामी कुछ दिनों में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर रविवार को बालटाल आधार शिविर और पवित्र गुफा मंदिर के रास्ते में पड़ने वाले कई पड़ाव केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। थाउसेन ने कहा ?कि इस महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और अद्वितीय समन्वय पर निर्भर करती है। सीआरपीएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि सीआरपीएफ महानिदेशक ने अमरनाथ यात्रा 2023 के लिए तैनात सीआरपीएफ की परिचालन और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करने के वास्ते बालटाल, डोमेल, सरबल और नीलग्रथ स्थित शिविरों का दौरा किया।

गोमांस ले जाने के शक में पीट-पीटकर ले ली जान, पुलिस जुटी जांच में

नासिक ।महाराष्ट्र के नासिक जिले में गोमांस लेजाने के शक में एक शाख्स को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। यह खौफनाक मामला इगतपुरी के पास का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गोरक्षकों ने गोमांस ले जाने के शक में एक मुस्लिम व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी है। बता दें कि कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के इगतपुरी के पास 23 साल के लुकमान अंसारी का शव घाटनदेवी में एक खाई से बरामद किया गया था। जबकि शनिवार रात गोमांस ले जाने के शक में गोरक्षकों के एक ग्रुप ने 32 वर्षीय अफान अंसारी को मौत के घाट उतार दिया, वहीं एक घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज शुरू है। इस मामले में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है। पु?लिस से ?मिली जानकारी के अनुसार मुंबई के कुर्ला में रहने वाले 32 वर्षीय अफान अंसारी अपने सहयोगी नासिर शेख के साथ कार में जा रहे थे। तभी गोरक्षकों को सूचना मिली की दोनों व्यक्ति गोमांस ले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक कथित तौर पर गोरक्षकों ने उनकी कार को रास्ते में रुकवाया और पीटना शुरू कर दिया। बाद में आरोपी दोनों को घायल अवस्था में छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गए। पीएसआई सुनील भामरे ने इस मामले में बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल पर उन्हें एक कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली। जिसके अंदर दो लोग घायल अवस्था में थे। पुलिस ने दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक का इलाज शुरू है। इस हत्याकांड में पुलिस ने फिलहाल दस लोगों को हिरासत में लेक उनसे पूछताछ शुरू की है।

खुलासा- पाकिस्तानी हैंकर ने भारतीय फौज और एजुकेशन सेक्टर पर साइबर अटैक किए

नई दिल्ली ।पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान आए दिन तरह-तरह के हथकंडे अपनाता रहता है। इसी कड़ी में भारतीय सुरक्षा शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान स्थित हैकर्स द्वारा भारतीय फौज और एजुकेशन सेक्टर पर साइबर हमलों की एक नई लहर का पता लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रांसपेरेंट ट्राइब भारत सरकार और फौजी संस्थाओं को अपना निशाना बना रही है। सुरक्षा शोधकर्ताओं ने पाकिस्तान स्थित ट्रांसपेरेंट ट्राइब नामक हैकर समूह द्वारा किए गए साइबर हमलों की एक लहर का पता लगाया है। ट्रांसपेरेंट ट्राइब का एक उपखंड, जिसे साइडकॉपी के नाम से जाना जाता है, उसकी पहचान एक भारतीय रक्षा संगठन को लक्षित करने के लिए भी की गई है। हैकिंग अभियान हाल ही में तब सामने आया जब डीआरडीओ के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक को पाकिस्तानी एजेंटों को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने उन्हें हनीट्रैप में फंसाया था। यहां इसतरह के उपकरण दिए गए हैं, जिनका उपयोग करके ये हैकर समूह उनकी कार्यप्रणाली सहित और बहुत कुछ जान सकते हैं। मई 2022 से, ट्रांसपेरेंट ट्राइब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) और देश के कुछ सबसे बड़े बिजनेस स्कूलों जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों को हैक करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान स्थित समूह (इस एबीडी36 कहा जाता है) भारतीय सेना को अपने सिस्टम से समझौता करने के लिए लुभाने को अधिकारियों की पोस्टिंग नीति में संशोधित नामक एक दुर्भावनापूर्ण फाइल का उपयोग कर रहा है। टीम ने नोट किया कि फाइल एक वैध दस्तावेज के तौर पर छिपी हुई है। लेकिन इसमें कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए एम्बेडेड मैलवेयर शामिल हैं।

विपक्षी बैठक के बाद भारत में भी तैयार हुआ 'वैगनर ग्रुप, मोदी के लिए खतरा

-शिवसेना के सामना की संपादकीय में बीजेपी पर किया बड़ा हमला

मुंबई (एजेंसी)। बिहार में हुई विपक्षी बैठक के बाद भारत में भी एक नया वैगनर ग्रुप तैयार हुआ है, इससे पीएम मोदी को खतरा बताया जा रहा है। दरअसल उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के मुखपत्र सामना अखबार के संपादकीय में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर जोरदार निशाना साधा गया है। सामना की संपादकीय में लिखा गया है कि पुतिन की तरह पीएम मोदी को भी सत्ता से बाहर जाना होगा। उसका कहना है कि बिहार की राजधानी पटना में 'वैगनर ग्रुप' ने यह तय किया है। अखबार ने संपादकीय में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी आड़े हाथ लिया है। दरअसल अमित शाह ने विपक्ष की इस मीटिंग को महज फोटो सेशन करार दिया था। सामना ने अपने संपादकीय में लिखा है कि आज पुतिन के देश में जो हो रहा है, उससे दुनिया वाकिफ है। पुतिन की ओर से अपनी सुविधा के लिए तैयार किए गए वैगनर ग्रुप नामक सेना ने ही पुतिन के खिलाफ बगावत का बिगुल बजा दिया है। सामना संपादकीय ने लिखा है कि रूस में बीते कई सालों में हुए चुनाव महज छलावा थे। पुतिन के लोग गड़बड़ी करके चुनाव जीतते रहे और संसद पर कब्जा किया।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय ने लिखा है कि हिंदुस्थान में भी यही सब चल रहा है। अब लोगों के मन में क्रांति की भावना पैदा हो रही है। बीजेपी ने सत्ता को बरकरार रखने के लिए कई बिकाऊ लोगों को अपने इर्द-गिर्द रक्षक बनाकर खड़ा किया है। कल यही लोग सबसे पहले नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर वार करेंगे और सड़क पर उतरेंगे। पुतिन के मामले में यही हुआ है, पुतिन के खिलाफ बगावत से साफ हो गया है। वैगनर ग्रुप की सशस्त्र सेना को रौंद डालेंगे, ऐसा ताव पुतिन ने दिखाया लेकिन उनसे हुआ नहीं। किसी भी तानाशाह के मन में ऐसी दहशत कभी न कभी निर्माण होती है।

शिवसेना ने कहा है कि पुतिन हो या मोदी, उन्हें बगावत का सामना करना ही पड़ता है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पटना में 17 प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दलों की बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद अमित शाह ने तंज कसते हुए कहा था, विपक्षी लोग तस्वीर खिंचवाने के लिए इकठ्ठा हुए थे।

ओबामा पर सीतारमण का पलटवार... आपके शासनकाल में 6 मुस्लिम बहुल देशों में बमबारी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में जातीय अल्पसंख्यकों की स्थिति पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। पलटवार कर सीतारमण ने कहा कि ओबामा के कारण 6 मुस्लिम बहुल देशों पर बमबारी हुई। साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को 13 देशों ने अपने शीर्ष सम्मान से सम्मानित किया है, जिसमें छह मुस्लिम बहुल देश हैं।

ओबामा के बयान पर पलटवार कर सीतारमण ने कहा कि मुझे आश्चर्य हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी ...सभी के सामने भारत के बारे में बात कर रहे थे, तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मुस्लिमों को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने सवाल कर कहा कि क्या उनके कार्यकाल (राष्ट्रपति रहते) में छह देशों, सीरिया, यमन, सऊदी, इराक और अन्य मुस्लिम देशों में बमबारी नहीं हुई? उन्होंने कहा कि हम अमेरिका के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन वहां से यूएससीआईआरएफ की भारत में धार्मिक सहिष्णुता को लेकर टिप्पणी आई और पूर्व राष्ट्रपति कुछ और कह रहे हैं। मंत्री ने कहा कि यह देखना अहम है कि इसके पीछे कौन लोग हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की ओर से अल्पसंख्यकों के प्रति व्यवहार को लेकर 'आधारहीन' आरोप लगाने के लिए 'संगठित अभियान' चलाया जा रहा है क्योंकि वे मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावी मैदान में नहीं हरा सकते।

उल्लेखनीय है कि साक्षात्कार में ओबामा ने कथित तौर पर कहा था कि अगर भारत 'जातीय अल्पसंख्यकों' के अधिकारों की रक्षा नहीं करता तो इस बात की प्रबल आशंका है कि एक समय आएगा जब देश बिखरने लगेगा।

मंदिरों पर हमला करते ही मुगलों का पतन शुरु हुआ: योगी

नोएडा (एजेंसी)। औरंगजेब को लेकर विवाद अब महाराष्ट्र से यूपी पहुंच गया है। यहां सीएम योगी ने कहा कि जब तक मुगलों ने मंदिरों पर हमला नहीं किया तब तक वे बचे रहे, लेकिन मंदिरों पर हमला करते ही उनका पतन शुरु हो गया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बीते दिनों औरंगजेब को लेकर काफी विवाद हुआ और इस बीच मुगल बादशाह पर योगी आदित्यनाथ ने भी तंज कसा है। सीएम योगी नोएडा में कल्चर सेव इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। संस्कृति पर हमले के खिलाफ बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि औरंगजेब के वर्तमान वंशज कोलकाता में रिक्शा चला रहे हैं। योगी ने कहा कि भारत पर शासकों ने तब तक आराम से शासन किया, जब तक कि उन्होंने मंदिरों पर हमले नहीं किए थे। जब उन्होंने मंदिरों पर हमले शुरू किए तब उनका पतन शुरू हो गया।

सीएम योगी ने कहा कि भारत अपनी आस्था और संस्कृति के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करता। संस्कृति पर हमला उस विकृति को बढ़ाने जैसा है, जो बीज की नियति को फलने-फूलने नहीं बल्कि सड़ने-गलने के लिए छोड़ देना चाहता है और इसलिए सांस्कृतिक हमला सबसे खतरनाक हमला होता है। यूपी के सीएम योगी ने आगे कहा कि देश में लोग तब तक आराम से शासन करते रहे जब तक उन्होंने मंदिरों पर हमले नहीं किए थे। जब मंदिरों पर हमले हुए तो उनके शासकों के पतन भी आते दिखाई दिए। योगी ने कहा ?कि उन्होंने दिल्ली पर शासन किया था। देश को अपनी क्रूरता से एक भय के माहौल में बदलने का काम किया, लेकिन जब उन्होंने भारत की संस्कृति पर हमला किया तो चीजें बदलती गईं।

मणिपुर में स्थिति अराजक, सीएम बीरेन सिंह बोले- कह नहीं सकते क्या हो रहा है

इंफाल (एजेंसी)। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि शाह ने पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा की बदलती प्रकृति पर चिंता व्यक्त की। बीरेन सिंह ने यह भी कहा कि स्थिति काफी अराजक है> मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली से लौटने के बाद राज्य की राजधानी इंफाल में कहा कि परिधीय क्षेत्रों में गोलीबारी से लेकर घाटी के जिलों में नागरिक अशांति तक हिंसा की बदलती प्रकृति अमित शाह जी के लिए चिंता का विषय बन गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा का प्रारंभिक चरण अत्यधिक राजनीतिक और संवेदनशील था, उन्होंने कहा कि राज्य में स्थिति अराजक बनी हुई है। हिंसा का प्रारंभिक चरण अत्यधिक राजनीतिक और संवेदनशील था, लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि अब क्या हो रहा है। मुख्यमंत्री का यह बयान हिंसा प्रभावित मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा कथित तौर पर बनाए गए बंकरों पर राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल की कार्रवाई के बीच आया है। बलों ने संघर्षग्रस्त राज्य के विभिन्न जिलों में कथित तौर पर आतंकवादियों द्वारा बनाए गए 12 बंकरों को नष्ट करने का दावा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह ने केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के घर और राज्य मंत्री सुशीलो मैतेई के आवास पर हमले, चल रही आगजनी और सरकारी संपत्तियों को नष्ट करने और सुरक्षा बलों की आवाजाही में बाधा जैसे मुद्दे उठाए।

ममता बनर्जी बोलीं- देश को बेचना चाहती है भाजपा, इसके डबल इंजन जल्द ही गायब हो जाएंगे

गुना (एजेंसी)। पंचायत चुनाव को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। वार-पलटवार का दौर भी लगातार जारी है। इन सबके बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के पक्ष में लगातार प्रचार करने में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में आज कूचबिहार पहुंची थीं। कूचबिहार में उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को बेचना चाहती है। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुत बुरी तरीके से हार जाएंगे। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी ने गठबंधन को लेकर भी बड़ा बयान दिया है।

ममता ने क्या कहा

कूचबिहार में ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा देश को बेचना चाहती है। उनके डबल इंजन जल्द ही गायब हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे राज्य के पंचायत चुनावों में अपना पहला इंजन और 2024 के लोकसभा चुनावों में दूसरा इंजन खो देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम भाजपा के खिलाफ 'महाजोता' (बड़ा गठबंधन) करने की कोशिश कर रहे हैं और यह जल्द ही किया जाएगा। ममता ने कहा कि इस बार हम यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि पंचायतों में कोई भ्रष्टाचार न हो। उन्होंने कहा, ''मुझे जानकारी मिली है कि बीएसएफ के कुछ अधिकारी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, मतदाताओं को धमका रहे हैं और उन्हें वोट न देने के लिए कह रहे हैं। मैं लोगों से कहूंगी कि वे डरें नहीं और निडर होकर चुनाव में हिस्सा लें।''

भाजपा का सवाल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि इस ग्राम पंचायत चुनाव के नतीजे को लेकर चिंता ने तृणमूल सुप्रीमो को अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए बाध्य किया है। राज्य में पंचायत चुनाव में प्रचार करने के ममता बनर्जी के निर्णय पर सवाल उठाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि पंचायत चुनाव में प्रचार करना उनके (ममता के) राजनीतिक कद के अनुरूप नहीं है। घोष ने कहा कि जब उनकी पार्टी के नेता दावा करते हैं कि वह प्रधानमंत्री पद की संभावित उम्मीदवार हैं, तो यह आशा की जाती है कि वह लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में प्रचार करेंगी, लेकिन ऐसा लगता है कि वह इस चुनाव (पंचायत चुनाव) के नतीजे को लेकर चिंतित हैं।

मादक पदार्थों को भारत से जड़ से खत्म करेगी सरकार, देश के जरिये तस्करी नहीं होने दी जाएगी: अमित शाह

तिरुपति (एजेंसी)। नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार भारत से मादक पदार्थों की समस्या को जड़ से समाप्त करेगी और देश के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी नहीं होने दी जाएगी। 'नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस' पर अपने वीडियो संदेश में शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने नार्कोटिक्स (मादक पदार्थों) के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति' अपनाई है और उसके सफल परिणाम दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा संकल्प है कि हम भारत में मादक पदार्थों का किसी तरह का व्यापार नहीं होने देंगे और ना ही भारत के माध्यम से विश्व में कहीं नशीले पदार्थों को जाने देंगे।''

शाह ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि सामूहिक प्रयास से हम सब नशे की समस्या को जड़ से मिटाने में सफल होंगे और 'मादक पदार्थ मुक्त भारत' का हमारा लक्ष्य हासिल करेंगे। जब तक मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में जीत नहीं मिलती, हम आराम से नहीं बैठेंगे।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध इस व्यापक और समन्वित लड़ाई का ही असर है कि जहां 2006-13 में 768 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ जब्त हुए थे, वहीं 2014 से 2022 के बीच यह जब्ती लगभग 30 गुना बढ़कर 22 हज़ार करोड़ रुपये की हो गयी। उन्होंने कहा कि इसी तरह नशे का व्यापार करने वाले लोगों के विरुद्ध 2006 से 2013 की अवधि की तुलना में 2014 से 2022 के बीच 181 प्रतिशत अधिक मामले दर्ज किये गये। शाह ने कहा कि जब्त किये मादक द्रव्यों के दुबारा उपयोग को रोकने के लिए जून 2022 में उन्हें नष्ट करने का अभियान चलाया गया।

अस अभियान के तहत अब तक देशभर में लगभग 6 लाख किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ''यह मादक पदार्थ मुक्त भारत के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को झलकाता है।'' शाह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ यह सफलता मुख्य रूप से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'संपूर्ण सरकार' के प्रयासों के तहत मिली है जिसके तहत अलग-अलग विभागों के समन्वय से नीतियां और प्रभावी बनाई जाती हैं। गृह मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ इस मुहिम में देश की सभी प्रमुख एजेंसियां, विशेषकर एनसीबी निरंतर अपनी जंग जारी रखे हुए है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141480 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com